E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक- 07 | प्रयागराज, मंगलवार 10 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

खामेनेई के बेटे मुजतबा नए सुप्रीम लीडर बने,ट्रम्प ने कहा था- मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुनें

तेहरान। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी और देश का नया सुप्रीम लीडर चुना गया है। उनके नाम का ऐलान ईरानी सरकारी टीवी ने सोमवार तड़के किया। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब उनके पिता की 28 फरवरी को इजराइली हमले में मौत के बाद क्षेत्र में जारी जंग ने नया मोड़ ले लिया है। मुजतबा खामेनेई हो गई थी। अयातुल्ला 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद

से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की खामेनेई घायल हो गए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, वे मौजूदा युद्ध के दौरान घायल हुए हैं। सरकारी टीवी ने उन्हें जानबाज बताया, जिसका मतलब है कि वे दुश्मन के हमले में घायल हुए हैं। हालांकि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि मुजतबा किस घटना में घायल हुए। इससे पहले 28 फरवरी को उनकी पत्नी, बेटी और पिता की मौत हो गई थी। जंग शुरू होने के बाद से मुजतबा सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए यानी कि सुप्रीम लीडर का पद सिर्फ एक धार्मिक नेता को ही मिल सकता है।लेबनान के दक्षिणी इलाके तैर अल-दब्बा में हुए इजराइल के हमले में कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। यह जानकारी लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है। इससे कुछ घंटे पहले ही पास के शहर जुइया में भी इजराइल ने हमला किया था, जिसमें 3 लोगों की मौत और 16 लोग घायल हुए थे। ट्रम्प ने ईरान में मुजतबा खामेनेई के सुप्रीम लीडर बनने पर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने सिर्फ कहा कि देखते हैं आगे क्या होता है। एक इंटरव्यू में ट्रम्प

दावा- बनते ही इजराइली हमले में मुजतबा खामेनेई घायल,इजराइल ने कहा था- ढूंढकर मार देंगे

को लंबे समय से इस पद के प्रमुख दावेदारों में माना जाता रहा था, हालांकि उन्होंने कभी कोई निर्वाचित या औपचारिक सरकारी पद नहीं संभाला है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कह चुके हैं कि ईरान उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुने। दूसरी तरफ इजराइल ने धमकी दी थी कि वो खामेनेई के उत्तराधिकारी को भी खत्म कर देंगे। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को यूएस -इजराइल के हमले में मौत इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया था। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा हैं। उन्हें बीती रात ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था। वहीं अली खामेनेई की मौत के बाद इजराइल और अमेरिका ने बिना इजाजत सुप्रीम लीडर चुनने पर खोज कर मारने की धमकी दी थी। इजराइल ने कहा था कि जो भी ईरान का सुप्रीम लीडर बनेगा उसे खत्म कर दिया जाएगा, चाहे वो कहीं भी छुपा हो।धर्मगुरु की एक पदवी है। ईरान के इस्लामिक कानून के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के लिए अयातुल्ला होना जरूरी है। ने कहा कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने का फैसला वे और नेतन्याहू मिलकर करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर उनकी नेतन्याहू से लगातार बातचीत हो रही है और सही समय आने पर फैसला लिया जाएगा। इसके अलावा ट्रम्प ने इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से कहा कि वे नेतन्याहू को भ्रष्टाचार मामले में माफी दे दें, ताकि वे युद्ध पर ध्यान दे सकें।

जंग का नतीजा

कच्चा तेल 5 साल के बाद सबसे महंगा,100 डॉलर के पार निकला, सरकार बोली-पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं होंगे

नयी दिल्ली। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के

बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम साढ़े तीन साल के हाई पर पहुंच गए हैं। आज यानी 9 मार्च को ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई है। इससे पहले 2022 में कच्चा तेल 100 डॉलर के पार निकला था। ब्रेंट क्रूड 25फीसदी की उछाल के साथ 116 डॉलर पर पहुंच गया, इससे पहले शुक्रवार को ये 93 डॉलर पर बंद हुआ था। जंग के दौरान यानी 10 दिन में ही कच्चा तेल करीब 48% महंगा हो चुका है। हालांकि, भारत सरकार का कहना है कि हमारे पास पर्याप्त तेल है, लिहाजा भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। दुनिया के कुल तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ईरान युद्ध के कारण इस समुद्री रास्ते से ट्रांसपोर्टेशन पर खासा असर पड़ा है। इसके चलते खाड़ी देशों से होने वाली तेल की सप्लाई ठप हो गई है। यूएई और कुवैत जैसे बड़े तेल उत्पादक देशों ने भी अपना प्रोडक्शन कम करना शुरू कर दिया है, क्योंकि सप्लाई रूट बंद होने से एक्सपोर्ट करना मुश्किल हो रहा है। भारत सरकार ने 8 मार्च को कहा था कि भारत को कच्चे तेल की कमी नहीं होगी। भारत के पास अभी कच्चे तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का 25 करोड़ बैरल (लगभग 4,000 करोड़ लीटर) से ज्यादा का स्टॉक है।सरकार की रिपोर्ट के अनुसार यह बैकअप इतना है कि अगर सप्लाई पूरी तरह रुक भी जाए तो भी देश की पूरी सप्लाई चेन 7 से 8 हफ्तों तक आसानी से चल सकती है। यानी आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल और दूसरे पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कमी की कोई टेंशन नहीं है।

ईरान जंग से सेंसेक्स 1800 अंक गिरकर 77,200 पर,रुपया 92.28 के ऑलटाइम लो पर पहुंचा; कच्चा तेल 10 दिन में 60फीसदी चढ़ा

मुंबई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के कारण शेयर बाजार में आज यानी 9 मार्च को

बड़ी गिरावट है। संसेक्स करीब 1800 अंक (2.20फीसदी) नीचे 77,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 550 अंक (2.20फीसदी) की गिरावट है, ये 23,900 पर कारोबार कर रहा है। आज बैंक, ऑटो, मेटल, एनर्जी और इश्ण्उ शेयरों में ज्यादा बिकवाली है। जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक अपने शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है। बाजार गिरने की 3 मुख्य वजहें- ईरान-इजराइल युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ने का डर। कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी। अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर। निवेशकों की वेल्थ रु25 लाख करोड़ से ज्यादा घटी-ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच छिड़ी जंग से निवेशकों की वेल्थ 25 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा घट गई है। जंग शुरू होने से पहले यानी 27 फरवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप रु4.63 लाख करोड़ था।**आगे की खबर पेज संख्या 07..**

ईरान जंग में भारत कहां खड़ा?-डिंपल यादव अखिलेश बोले- विदेश नीति गिरवी रखी

बीजेपी का जवाब- जो बोलना है, बोलते रहिए

लखनऊ। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन

लोकसभा और राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की मांग को लेकर सपा समेत तमाम विपक्षी दलों ने हंगामा किया। जमकर नारेबाजी की। दरअसल, कांग्रेस समेत विपक्ष के 118 सांसदों ने 10 फरवरी को लोकसभा सचिवालय को साइन किया नोटिस सौंपा था। आरोप लगाया था कि स्पीकर सदन की कार्यवाही में निष्पक्षता नहीं बरत रहे हैं। विपक्ष को पर्याप्त मौका नहीं दे रहे हैं। इस पर संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा- अभी फ्लोर लीडर्स की बैठक होगी, जिसके बाद तय होगा कि आगे कैसे बढ़ें। उन्होंने खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को लेकर मोदी सरकार को आड़े हाथ लिया। कहा- हमारी विदेश नीति को भाजपा सरकार ने गिरवी रख दिया है। महंगाई बढ़ती जा रही है। हमारे जो लोग विदेश में फंसे हुए हैं उनके लिए भारत सरकार क्या कर रही है? सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा- लोकसभा स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव तो आ रहा है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि ईरान और अमेरिका के बीच जो जंग छिड़ी है, उसमें भारत कहां खड़ा है, हमारी नीति क्या कहती है, हमारा विदेश मंत्रालय क्या कह रहा है। जिस तरह से वह अभी भी अमेरिका के दबाव में काम कर रहा है, ऐसे कई जरूरी मुद्दे इस सेशन में उठेंगे।वहीं, भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा- इस बार हमें उम्मीद थी कि कुछ अच्छा होगा। विपक्ष प्रस्ताव तो लेकर आया है, अब देखते हैं क्या होता है। भाजपा सांसद अरुण गोविल ने कहा- हमारा विश्वास, हमारी पार्टी का विश्वास, हमारे लोकसभा अध्यक्ष में है। विपक्ष को जो बोलना है, बोलता रहे।

लखनऊ में काले कपड़े पहनकर शियाओं ने निकाला जुलूस,19वीं रमजान का मातम

सड़कों पर हजारों अकीदतमंद, ताबूत छूने की होड़

लखनऊ। लखनऊ में अकीदत और नम आंखों से 19वीं रमजान पर गिलीम (कंबल के ताबूत) का जुलूस निकाला गया। 4 किलोमीटर

लंबे जुलूस में शिया समुदाय के करीब 25 हजार लोग शामिल हुए। पुरुष-महिलाओं और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी काले कपड़े पहने नजर आए। उनके बीच ताबूत को एक नजर देखने, छूने और चूमने की होड़ मची रही। जुलूस निकलने से पहले सआदतगंज स्थित कूफा मस्जिद में मजलिस हुई। नमाज अदा की गई। शिया समुदाय के लोगों ने दुआ मांगी। फिर जुलूस शुरू हुआ। जुलूस टूरियागंज, सरकटा नाला, बिल्लौचपुरा होते हुए चौक स्थित पाटा नाला इमामबाड़ा तकि जैदी पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस में सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। आरएएफ और सीआरपीएफ ने मोर्चा संभाले रखा। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी हुई। जिन रास्तों से जुलूस निकला, वहां इमारतों की छत पर पुलिसकर्मी तैनात रहे। बता दें कि 19वीं रमजान को हजरत अली जब नमाज के लिए मस्जिद पहुंचे तो उनके ऊपर पहला तलवार से हमला हुआ था। इसके बाद 21वें रमजान को हजरत अली शहीद हो गए थे। उसी घटना को याद करते हुए जुलूस निकाला जाता है।

बंगाल पहुंचे चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, कालीघाट में पूजा की

लोगों ने गो-बैक के पोस्टर और काले झंडे दिखाए

कोलकाता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रविवार शाम को पश्चिम बंगाल तीन फेज में ही कराया जाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होने चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर एसएस संधू और विवेक जोशी सोमवार

विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने कोलकाता पहुंचे। 3 दिन चलने वाली चुनाव आयोग की फुल बेंच मीटिंग के बीच सोमवार को ज्ञानेश कुमार कालीघाट में पूजा करने पहुंचे। मंदिर के बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने गो बैक के पोस्टर और काले झंडे दिखाए। इसके पहले रविवार को भी कोलकाता पहुंचने पर कुछ लोग उनके काफिले के सामने झंडे लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते दिखे। इधर, बीजेपी के एक डेलीगेशन ने सोमवार को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की फुल बेंच से मुलाकात की और मांग की कि 2026 का पश्चिम बंगाल असेंबली चुनाव वाला है। 294 सीटों पर अप्रैल में चुनाव होने की उम्मीद है। 2021 में टीएमसी ने 215 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री चुनी गई थीं। रविवार को पश्चिम बंगाल के स्थानीय लोग न्यू टाउन में एक प्राइवेट होटल के सामने इकट्ठा हुए, उन्होंने 'गो बैक, ज्ञानेश कुमार, डेमोक्रेसी के हत्यारे' लिखी टीशर्ट पहनी थी। जब चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर एसएस संधू, विवेक जोशी और सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गार्ड और पवन कुमार के साथ सीईसी ज्ञानेश कुमार कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे, तो प्रदर्शनकारी वहां भी पहुंच गए। को मान्यता प्राप्त नेशनल और स्टेट पार्टियों के डेलीगेशन से मिल रहे हैं ताकि चुनाव कराने के बारे में उनकी चिंताओं और सुझावों को सुना जा सके। बीजेपी डेलीगेशन ने असेंबली चुनाव से पहले राज्य में सुरक्षा माहौल पर चिंताओं को बताते हुए 16-पॉइंट का मांग पत्र सौंपा। इलेक्शन कमीशन को पश्चिम बंगाल असेंबली चुनाव में हिंसा न हो, इसके लिए कदम उठाने चाहिए। बीजेपी ने प्रस्ताव दिया कि जिस भी बूथ पर 85 परसेंट से ज़्यादा पोलिंग हो या पिछले चुनावों के दौरान या बाद में हिंसा का रिकॉर्डेड इतिहास हो, उसे अपने आप सेंसिटिव माना जाना चाहिए और उसे एक्स्ट्रा सुरक्षा दी जानी चाहिए।

शेरनी नीरजा ने 4 शावकों को दिया जन्म,इटावा में दुलार करती दिखी,हफ्ते भर कोई पास नहीं जाएगा

इटावा। इटावा सफारी पार्क में शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया है। शेरनी और शावक स्वस्थ हैं। सीसीटीवी से उनकी रहे हैं। इटावा लॉयन सफारी में गुजरात के गिर से एशियाटिक शेरों को बसाया गया है।इटावा सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल कुमार से शावकों और शेरनी पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य पर निगरानी बनी रहे।सफारी प्रशासन के अनुसार शेर कान्हा और शेरनी नीरजा के बीच 18 नवंबर से 21 नवंबर 2025 के बीच मेटिंग हुई थी। इसके बाद आईवीआरआई बरेली में जांच के दौरान नीरजा के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। गर्भ की पुष्टि होने के बाद शेरनी को सफारी के ब्रीडिंग सेंटर में रखा गया, जहां डॉक्टरों और कीपरों की टीम उसकी विशेष देखभाल कर रही थी। प्रसव का समय होली

लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। केज के आसपास 7 दिन तक पब्लिक या सामान्य कर्मचारी के जाने की अनुमति नहीं है। शावक नर हैं या मादा, यह एक सप्ताह के बाद पता चलेगा।पार्क प्रबंधन ने शावकों के जन्म के बाद का वीडियो जारी किया है। इसमें शेरनी नीरजा अपने शावकों को दुलार रही है। शावक उसके पेट पर चढ़कर घूम रहे हैं। यह तीसरी बार है, जब नीरजा ने शावकों को जन्म दिया है। पहले से यहां पर 19 शेर रह पटेल ने बताया कि 8 मार्च की रात शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया। पहला शावक रात 8 बजकर 25 मिनट पर पैदा हुआ। दूसरा शावक 9 बजकर 7 मिनट पर, तीसरा 9 बजकर 43 मिनट पर और चौथा शावक 9 बजकर 59 मिनट पर जन्मा। उन्होंने बताया कि जन्म के बाद से ही चारों शावकों की स्थिति सामान्य है। शेरनी भी अपने बच्चों की अच्छी तरह देखभाल कर रही है। ब्रीडिंग सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम के आसपास होने की संभावना को देखते हुए सफारी प्रशासन लगातार सतर्क रहा और सभी वन्यजीवों की निगरानी बढ़ा दी गई थी।सफारी प्रशासन के अनुसार नीरजा तीसरी बार मां बनी है। इससे पहले वह दो बार शावकों को जन्म दे चुकी है। उसके पहले के पांच शावक सफारी में स्वस्थ रूप से पल रहे हैं, जबकि दो की मौत हो चुकी है। अब चार नए शावकों के जन्म से इटावा सफारी पार्क में उसके कुल नौ शावक हो गए हैं।

55 की उम्र में कर चुका 6 शादी-7वीं की तैयारी,नाबालिग बेटे ने पुलिस से कहा- शादी के लिए कर्ज लिया, जमीन बेची

आजमगढ़। आजमगढ़ में एक व्यक्ति सातवीं बार शादी की तैयारी में है। 55 वर्ष की उम्र में वह छह शादी कर चुका है। सातवीं बार

दूल्हा बनने की जानकारी उसके नाबालिग बेटे को हो गई। उसने पुलिस से शादी रुकवाने की गुहार लगाई है। बेटे ने बताया शादी के लिए अपनी जमीन गिरवी रख दी है। पुलिस ने मामला सुलझाने का भरोसा दिया है। मामला अहरौला थाना क्षेत्र का है।अहरौला के पूरा दुबे गोदाम निवासी अरमजीत मौर्य (55) अब तक 6 शादियां कर चुके हैं। अब सातवीं शादी करने की तैयारी में लगे हुए हैं। इसके लिए उन्होंने अपनी जमीन को गिरवी रख दिया है। 50 हजार रुपये कर्ज भी ले लिया है। इसकी जानकारी 17 वर्ष के उनके नाबालिग बेटे को हो गई। बेटे ने अहरौला थाना पहुंचकर पिता की शिकायत की है। पुलिस से कहा कि सातवीं शादी की जिद पर अड़े पिता को ऐसा करने से मना किया तो मेरी पिटाई कर दी।12वीं में पढ़ने वाले बेटे ने बताया कि पिता ने मेरी मां से तीसरी शादी की थी। उसके पहले दो शादियां और कर चुके थे। मेरी मां से शादी करने के बाद तीन शादियां फिर कीं। इस तरह वह 6 शादी कर चुके हैं। छठवीं शादी 2024 में की थी। छठी पत्नी कुछ दिन साथ रही। उसके बाद जमीन अपने नाम करने की बात कहने लगी। पिता ने जमीन जब नाम नहीं किया तो वह जेवर की मांग करने लगी। जब जेवर भी नहीं मिला तो वह छोड़कर चली गई।अब पिता सातवीं शादी के लिए कुछ लोगों के संपर्क में हैं। वह नई शादी करने के लिए बची हुई जमीन बेचने की तैयारी में हैं। उन्होंने किसी से 50 हजार रुपये एडवांस में ले लिया है। इसके साथ ही आधी से ज्यादा जमीन गिरवी रख चुके हैं। बेटे ने बताया कि पिता उसका खर्च नहीं देते हैं।

ममता बनर्जी के धरने का चौथा दिन, रवींद्र संगीत सुनाया

बोलीं धरना स्थल पर भाजपा पर्चे बांट रही

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी

है। आज धरना स्थल पर ममता ने रवींद्र संगीत दल के साथ गाना गाया। ममता ने आरोप लगाया कि उनके धरना स्थल पर भाजपा और उसकी एजेंसियों पर्चे बांट रहे हैं। ममता ने टीएमसी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पर्चे बांट रहे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। पर्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को कोलकाता में होने वाली रैली का प्रचार किया जा रहा है। ममता ने अपने समर्थकों से कहा, किसी अन्य राजनीतिक दल के कार्यक्रमों में ऐसे पर्चे बांटने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पकड़ो और पुलिस के हवाले कर दो। बनर्जी ने राज्य मंत्री शशि पांजा को भी इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पर्चे बांटने में शामिल लोग पूछताछ के बाद भाग गए। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (एसआईआर) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, 'उनके पास जनता का समर्थन नहीं है। वे वोट चोर हैं। वे एजेंसियों का इस्तेमाल करते हैं।'पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल गर्म होता दिख रहा है। इसी बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कोलकाता पहुंचते ही विरोध का सामना करना पड़ा।

सीतापुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला द्विवस के उपलक्ष्य में महिला पुलिस कर्मी सम्मानित

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय महिला द्विवस' के उपलक्ष्य में 04 महिला उ0नि0 एवं 33 महिला आरक्षियों को प्रशास्ति देकर सम्मानित किया गया। जब हम एक महिला को शिक्षित और सशक्त करते हैं, तो हम केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों को बोहतार भविष्य देते हैं। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक तारीख नही, बल्कि एक विचारधारा है न्याय, समानता, और सशक्तिकरण की। जब महिलाएं अधिकार सम्पन्न बनती है तो समाज प्रगति करता है । कि महिलाओं के बिना विकास अधूरा है इसलिए हम केवल इस दिन तक सीमित न रहे बल्कि वर्ष के हर दिन महिलाओं के अधिकार , सम्मान और समानता के लिए प्रयासरत रहें।

जनपद में कहीं भी किसी भी प्रकार की डीज़ल अथवा पेट्रोल की कोई समस्या अथवा शार्टेज नहीं- एडीएम

जनपद में डीजल एवं पेट्रोल की सप्लाई सामान्य है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया है कि जनपद में कहीं भी किसी भी प्रकार की डीज़ल अथवा पेट्रोल की कोई समस्या अथवा शार्टेज नहीं है । पूर्व की भांति जनपद में डीजल एवं पेट्रोल की सप्लाई सामान्य है , डिपो के अधिकारियों से वार्ता की गई है, कहीं कोई समस्या नहीं है ।यदि किसी पम्प संचालक अथवा उसके स्टाफ़ द्वारा कोई भ्रामक सूचना प्रसारित की जाती है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

गऊ सरंक्षण यात्रा लेकर रायबरेली पहुंचे ज्योतिष पीठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गऊ सरंक्षण यात्रा लेकर सुल्तानपुर से रायबरेली पहुंचे अविमुक्तेश्वरानंद महाराज रात्रि विश्राम गांधीनगर निवासी यश पांडेय के यहां पहुंचे,जहां पहले से उपस्थित हजारों लोगों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। रात्रि में न बोलने के प्रण के चलते उन्होंने कोई वार्ता या उपदेश नहीं दिया।शंकराचार्य के साथ-साथ राष्ट्रीय समाचार चैनलों के लोग भी मौजूद रहे।

आज प्रातः दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर वह मीडिया एवं उपस्थित जनसमुदाय से वार्ता की। प्रेस वार्ता के दौरान उन्हों बताया कि सरकार बोल रही है कि गाय को खरोंच भी वह बर्दास्त नहीं करेंगे, जबकि वर्ष 2019 की पशु जनगणना के बाद से निरंतर गायों की संख्या में कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी व सरकार बीफ का निर्यात करने वाली संस्था से करोड़ों रुपए चंदा प्राप्त कर बेजुबान जानवरों का वध करा रही है।

आशुतोष महाराज के रीवा एक्सप्रेस में हुए हमले को काल्पनिक बताते हुए सरकार से सुरक्षा प्राप्त करने का बहाना बताया। उन्होंने कहा कि जितने मुकदमे आशुतोष महाराज के ऊपर हैं उतने ही वह मेरे उपर भी फर्जी रूप से लगाना चाहते है।

गौ रक्षा के संबंध में उन्होंने सरकार को 40 दिनों का समय दिया था,जो 11 मार्च को पूरा हो रहा है,उस दिन वह गऊ सरंक्षण के सम्बन्ध में आगे की नीति निर्धारित करेंगे। जनता को संबोधित करने के बाद वह जनपद उन्नाव के लिए प्रस्थान कर गए।

पुलिस कैफे

खाकी और जनता के बीच बढ़ती नजदीकी और सामुदायिक विश्वास का नया केंद्र

सीतापुर रिजर्व पुलिस लाइन में स्थित 'नैमिष संगम कैफे' का भव्य उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सीतापुर। पुलिस अधीक्षक

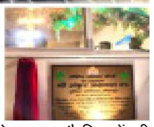

सीतापुर अंकुर अग्रवाल द्वारा पुलिस लाइन्स स्थित 'नैमिष संगम कैफे' का भव्य उद्घाटन किया गया। यह कैफे पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवार तथा आम जनता के लिए खोला गया है जिसमें फ्री वाई-फाई, टीवी, किताबे आदि की सुविधा उपलब्ध है। यहाँ भोजन और पेय पदार्थ बाजार की तुलना में कम कीमतों पर उपलब्ध होगा। कैफे की दीवारों पर नैमिषारण्य धरा के पावन ऐतिहासिक स्थलों, ऋषि-मुनियों एवं देवी-देवताओं के चित्रों से दिव्य एवं भव्य सजावट की गयी है। पुलिस की नौकरी बेहद तनावपूर्ण होती है यह कैफे उनके लिए 'स्ट्रेस बस्टर' (तनाव कम करने वाला स्थान) का काम करेगा। 'पुलिस कैफे' एक ऐसी अभिनव पहल है, जो पुलिस बल की कठोर छवि को एक 'मित्र पुलिस' और 'सहायक' के रूप में पुनर्जीवित करेगा। यह कैफे केवल एक खान-पान का स्थान नहीं, बल्कि समाज और सुरक्षा बलों के बीच एक मजबूत सेतु है। इस कैफे का प्रबंधन और स्वच्छता आम कैफे की तुलना में अधिक अनुशासित है। कैफे उद्घाटन के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी/दक्षिणी, समस्त क्षेत्राधिकारीगण एवं समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष, प्रतिसार निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अग्रवाल सुहृद समाज रायबरेली द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अग्रवाल सुहृद समाज

रायबरेली द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन स्थानीय रायबरेली क्लब, सिविल लाइन्स में हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अग्रबंधुओं का स्वागत गुलाल लगाकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाराजा अग्रसेन जी के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि उप प्रभागीय वन अधिकारी श्री मयंक अग्रवाल व उनकी माता जी श्रीमती शिखा अग्रवाल , अग्रवाल समाज के संरक्षक मंडल के सदस्य श्री इन्दर चंद जैन, श्री धनीराम अग्रवाल, श्री अनूप अग्रवाल (जायस), निवर्तमान अध्यक्ष श्री गौरव जैन, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा श्रीमती रचना अग्रवाल एवं सचिव श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष श्री पवन गुप्ता, सचिव श्री पवन अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष श्री पल्लव अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ गणेश वंदना की मनमोहक प्रस्तुति से हुआ। मंच संचालन श्री अनुपम अग्रवाल द्वारा किया गया। महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महिला कार्यकारिणी सदस्यों को रोचक टाइटल (स्वरांजलि) प्रदान किए गए। जिसका संचालन श्रीमती महिमा कंसल एवं श्रीमती शिखा अग्रवाल ने किया। इसके साथ ही लकी कपल, लकी पर्सन तथा लकी चाइल्ड का ड्रा भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें ' गणेश वन्दना', 'नाट्य लपेटे में नेता जी', राधा-कृष्ण की मनमोहक प्रस्तुति तथा 'होली खेले मसाने' जैसे

कार्यक्रमों ने सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया और सभी को होली के रंग में सराबोर कर दिया। इन प्रस्तुतियों में रूथव बिंदल, अनन्या अग्रवाल, ऋषिक अग्रवाल, माधव अग्रवाल, प्रियांशी जैन, नैनिका जैन, आरना अग्रवाल, इशी अग्रवाल, सिद्धि जैन, वृद्धि जैन, पियूष अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, हर्षिक अग्रवाल, अथर्व अग्रवाल, वानी अग्रवाल, शगुन अग्रवाल, शुभी अग्रवाल तथा अनन्या जैन सहित अन्य बच्चों ने प्रतिभाग किया। समारोह को कार्यक्रम अधिकारी भवेश अग्रवाल, पियूष अग्रवाल, हर्षिका बंसल एवं रक्षा बिंदल द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को सुंदर पुरस्कार प्रदान किए गए। लकी कपल का पुरस्कार श्रीमती पूजा जैन एवं श्री विकास जैन को, लकी पर्सन का पुरस्कार ध्रुव अग्रवाल को तथा लकी चाइल्ड का पुरस्कार परिधि गोयल को प्राप्त हुआ। समारोह में गेम्स के स्टॉल भी लगाए गए, जिनका बच्चों और बड़ों ने भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम में महेंद्र अग्रवाल, ऋषि अग्रवाल, राधा रमन अग्रवाल, शीलनिधि अग्रवाल, दिनेश खेतान, राघव मुरारका, अनुराग मुरारका,अक्षत अग्रवाल, करुण कंसल, संतोष अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अभिषेक गोयल, भवेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, डॉ. सी.एस. अग्रवाल, राजकमल अग्रवाल, हरीश मुरारका, रवि किशन अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, अनुराग मुरारका, नवीन अग्रवाल, संजय बंसल, ऋषभ बिंदल श्रीमती मंजू सिकरिया, श्रीमती स्वीटा गुप्ता,श्रीमती मीनू अग्रवाल , श्रीमतीअर्चना सिकरिया, श्रीमती प्रियंका अग्रवाल, श्रीमती कल्पना अग्रवाल , श्रीमती पूजा मुरारका, श्रीमती स्वाति अग्रवाल, श्रीमती शालिनी अग्रवाल,श्रीमती दीपाली जैन, श्रीमती रूचि अग्रवाल सहित अनेक समाज के सदस्य एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

एकीकृत बागवानी मिशन योजना के अन्तर्गत दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय,

प्रयागराज के प्रसार निदेशालय में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 08.03.2026 को किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन द्वारा कृषकों को विश्वविद्यालय में चल रही शोध कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होनें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों को एकीकृत विकास मिशन योजना के अन्तर्गत कृषकों को आधुनिक खेती, नर्सरी प्रबन्धन एवं सब्जियों का एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन पर विस्तार से चर्चा की गयी। निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन के द्वारा प्रतिभागियों को सब्जियों की उन्नतशील प्रजातियों के बीज एवं प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया । प्रशिक्षण समन्वयक डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कृषकों को एस्पेलियर सिस्टम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि छोटे बगीचे, सकरी जगहों या दीवारों के साथ पौधे उगाने के लिए आदर्श है। यह एस्पेलियर सिस्टम अन्य सजावटी पौधें एवं आम, अमरूद के बागों की डिजाइनों में आकार दिया जा सकता है तथा फलदार वृक्षों में फल तोड़ना आसान होता है, बेहतर धूप मिलती है, अधिक फल लगते हैं, फल दीवारों के किनारे होने कारण फलों को पाले से भी सुरक्षा प्रदान होती है साथ ही साथ उन्होनें बताया कि यह सिस्टम अपनाने से पौधों को कटाई-छंटाई एवं खाद उर्वरक में आसानी होती है। इसी क्रम में कृषकों को मशरूम उत्पादन की जानकारी देते हुए बताया कि मशरूम की खेती कम लागत वाली और अत्यधिक लाभदायक व्यवसाय है जिसमें 30-40 दिनों में उत्पादन शुरू हो जाता है, उन्होनें मशरूम की खेती के लिए कम्पोस्ट तैयार करने, स्पॉनिंग, स्पॉन रन केसिंग से लेकर मशरूम की तुड़ाई व मार्केटिंग तक की विस्तारपूर्वक जानकारी कृषकों को दी। कीट विज्ञान विभाग शुआट्स प्रयागराज के डा0 अनुराग आर0 तायडे ने कृषकों को सब्जियों एवं बागों में लगने वाले कीट रोग के नियंत्रण के लिए एकीकृत कीट नियंत्रण पर विस्तार से चर्चा करते हुए कृषकों को बताया कि कीटनाशकों का प्रयोग कम से कम करें एवं परम्परागत एवं प्राकृतिक तरीके से कीटों का नियंत्रण करें। डा0 शिशिर कुमार ने कृषकों को जैविक विधि द्वारा एवं परम्परागत तरीके से सब्जियों एवं फूलों की खेती करने की कृषकों को सलाह दी। डा0 टी0डी0 मिश्रा ने कृषकों को लाख उत्पादन पर जानकारी देते हुए बताया कि यह एक अत्यन्त लाभदायक व कम लागत वाली खेती है जो कृषकों को 6-7 महीनें में दोगुनी से अधिक मुनाफा दे सकती है साथ ही साथ उन्होनें अगेती सब्जियों के बारे में भिण्डी एवं अगेती कद्दूवर्गीय सब्जियों के बारे में चर्चा करते हुए उन्होनें विस्तार से बताया। श्रीमती मीना नेथन ने कृषकों को बताया कि कृषक सभी का अन्नदाता है परन्तु अब वे अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। उन्होनें मोटे अनाजों के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही साथ उन्होनें आचार आदि बनाने की जानकारी कृषकों को दी। कार्यक्रम में डा0 सरवेन्द्र कुमार व अन्य प्रसार निदेशालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। प्रगतिशील कृषक श्री चन्द्रप्रकाश कुशवाहा, रविन्द्र सिंह, शिवसागर, त्रिभुवन आदि कृषकों ने अपने अनुभव कृषक भाइयों के साथ साझा किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं से सीधे संवाद की अनोखी पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन और विन्सम स्टेप्स ने इस बार पारंपरिक मंचीय कार्यक्रमों के बजाय एक अनोखी पहल की।

संस्था की टीम ने पार्क में जाकर महिलाओं से सीधे संवाद किया और उन्हें विशेष रूप से तैयार किया गया हैंड वॉश उपहार स्वरूप भेंट किया। यह हैंड वॉश संस्था के दिव्यांग बच्चों द्वारा स्वयं तैयार किया गया था, जिसे उन्होंने टीम के मार्गदर्शन में बनाया।

इस पहल का उद्देश्य न केवल महिलाओं को सम्मान देना था, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास और समाज में समावेशिता का संदेश भी देना था। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को स्वच्छता और हाथ धोने की सही विधि के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर विन्सम स्टेप्स की निदेशक पूनम मिश्रा, फिजियोथेरेपिस्ट साक्षी भदोलिया, फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह, डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ सुश्मिता भाटी, विशेष शिक्षिका एलीका रावत, एडमिन हेड कृष्णा यादव और अभिनव सिंह उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि समाज की महिलाएँ अपनी मेहनत, समर्पण और संघर्ष से निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

ऐसे में उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना और साथ ही दिव्यांग बच्चों की भागीदारी से तैयार सामग्री भेंट करना समाज में समानता, सहयोग और प्रेरणा का संदेश देता है।

सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 मे सपा नोएडा महानगर ने किया मासिक बैठक का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 नोएडा में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से 29 मार्च को होने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी की प्रस्तावित रैली को सफल बनाने के ऊपर विस्तृत चर्चा की गई। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के द्वारा इस बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की रणनीति पर अपने विचार से सबको अवगत कराया। प्रदेश

सचिव सुनील चौधरी ने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता और बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती ही पार्टी की मुख्य ताकत है। विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को जनता की समस्याओं को सुनने और यथासंभव उसका समाधान करने का प्रयास करना चाहिए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग पार्टी से जुड़ सके। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया उन्होंने प्रत्येक पार्टी के कार्यकर्ता से अपील की सपा कार्य काल में हुए विकास कार्यों को जनता के बीच रखने का काम करें। महानगर संगठन द्वारा महिला दिवस के ऊपर बैठक में आए हुए सभी महिलाओं का सम्मान करने का भी काम किया। आज इस बैठक में मौजूद मुख्य लोगों में-विकास यादव, बबलू चौहान ,रामवीर यादव, गौरव कुमार यादव, वीरपाल प्रधान, राणा मुखर्जी, शालिनी खारी, देवेंद्र खारी, गौरव सिंघल, बाबूलाल बंसल, राजेश अंवावत ,हरपाल सिंह, अरविंद चौहान, गौरव यादव, श्याम कुमार, वीर बहादुर ,निर अवाना, देवाशीष , रेणुका मेथी, विमला, नेहा पांडे ,राम सहेली ,बबली शर्मा, प्यारेलाल यादव ,विश्वास ,महेश कुमार ,विनोद सागर ,निरोगी सिंह, विवेकानंद सिंह, अमित कुमार, रंजन कुमार, कृष्ण कुमार ,जितेंद्र कुमार, सुनील कुमार, शिवकुमार यादव ,राजपाल चौहान, उदय सिंह, बिल्लू सैफी ,इंद्रजीत ठाकुर, प्रेम सिंह, अजय कुमार, मोहम्मद जान अली, सागर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया. बेसिक शिक्षा विभाग रायबरेली के सभागार में आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 18 विकास क्षेत्रो एवं नगर क्षेत्र की 23 महिला शिक्षिकाओं को विभाग में उत्कृष्ट योगदान के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह द्वारा सम्मानित किया गया. खंड शिक्षा अधिकारी राही द्वारा बेसिक अधिकारी अधिकारी का सम्मान किया गया. जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली शिक्षिकाओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर के सम्मानित किया गया. अनुप्रिया सिंह,दीपिका सिंह,प्रीति वर्मा,मृदुल रानी एवं अरुणा सिंह ने महिला दिवस पर अपने विचार व्यक्त किया. इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह ने कहा

है कि शासन द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसका महिला सशक्तिकरण मे विशेष योगदान है. और इसका लाभ बेसिक शिक्षा विभाग को भी मिल रहा है. उन्होंने सभी को भविष्य में भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया. सम्मानित होने वालों में मानसी सिंह गौतम अनुप्रिया सिंह प्रीति विश्वकर्मा रश्मि श्रीवास्तव दीपिका सिंह डॉक्टर शारदा सिंह अर्चना मौर्य ज्योति भारती वंदना पांडे कविता शाक्य वंदना मिश्रा गीता त्रिपाठी नीतू सिंह कुशवाहा मृदुल रानी, एम निम्मी अरुणा सिंह रिया ठाकुर रेखा सिंह,किरण सिंह ममता सिंह और प्रीति वर्मा रही. इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी राही बृजलाल, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा विनय तिवारी, अनूप कुमार रमन सिंह अंकुर आदि उपस्थित रहे. खंड शिक्षा अधिकारी राही बृजलाल के द्वारा आभार ज्ञाप किया गया.कार्यक्रम का संचालन

डॉक्टर अभिषेक द्विवेदी ने किया।

राष्ट्रीय संघर्ष समिति ई पी एस -95 रायबरेली,उत्तर प्रदेश की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को राष्ट्रीय

संघर्ष समिति ई पी एस 95 उत्तर प्रदेश लखनऊ मंडल के जिला रायबरेली में रामा कृष्णा इंटर कॉलेज में दिल्ली जंतर मंतर पर दिनांक 9, 3,2026से 11/3/2026तक होने वाले ई पी एस 95 के पेंशनरों की चार सूत्रीय मांगों 7500+डी.ए सहित मासिक पेंशन और पति-पत्नी को चिकित्सा सुविधा तथा 4/11/2022 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का क्रियान्वयन और जो ई पी एस 95 के सदस्य नहीं है उन्हें रुपए 5000 मासिक पेंशन इसी परिप्रेक्ष्य में बैठक सम्पन्न हुई बैठक में के एस तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ई पी एस 95 उत्तर प्रदेश ने विधिवत सभी जानकारी दी जिला अध्यक्ष लखनऊ डी,डी यादव ने अपने विचार व्यक्त किए जिला अध्यक्ष रायबरेली जे,पी त्रिपाठी ने भी सरकार की घोर निन्दा की सी , के, श्री वास्तव ने नियमों का उल्लेख किया हरिश्चंद्र त्रिपाठी जिला सचिव ने संचालन किया सभा अध्यक्ष डी, डी यादव ने समापन किया। बैठक में उपस्थित आई,टी आई, परिवहन निगम आदि के पेंशनरों द्वारा रुपए 5000/दिल्ली में होने वाले आन्दोलन के लिए केन्द्रीय नेतृत्व को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री के एस तिवारी को जिला अध्यक्ष रायबरेली द्वारा भेजे गए।श्री के एस तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ई पी एस 95 द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्री ओम शंकर तिवारी को दिए जाएंगे।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी प्रयागराज में मनाया गया महिला दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सेनानायक महोदय श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव(आई पी एस) के कुशल निर्देशन में वाहिनी सभागार में अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल प्लेयर अंशिका सिंह द्वारा वाहिनी में आवासित पुलिस परिवार की महिलाओं को महिला सशक्तिकरण, समाज के निर्माण में महिलाओं की अपरिहार्य भूमिका, खेल, विज्ञान, और प्रशासन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का बढ़ता वर्चस्व, आधुनिक परिवेश में महिलाओं के सम्मुख आने वाली चुनौतियां और उनके दृढ़ संकल्प से सफलता प्राप्त करने के मार्ग आदि के बारे में बताते हुए प्रोत्साहित किया गया। इस प्रेरणादायक सत्र के दौरान एच0ओ0 श्रीमती सीमा सिंह(रेडियो विभाग), एएसआईएम श्रीमती ज्ञानती देवी एवं वाहिनी परिवार की महिलाएं उपस्थित रहीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं/बालिकाओं को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर पिंक रोजगार महाकुंभ 2026 में 5,000+ महिलाओं को रोजगार के ऑफर, रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्लेटफॉर्म 'रोजगार संगम

पोर्टल' के मोबाइल ऐप की लॉन्चिंग, 94 नव-नियुक्त मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्रों का वितरण, उत्कृष्ट महिला कार्मिकों और मेधावी बालिकाओं का सम्मान एवं नारी शक्ति अवॉर्ड, कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी बालिकाओं को चेक वितरण एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के बीमा प्रीमियम और साड़ी/वर्दी हेतु रु3,849 लाख की धनराशि का डीबीटी अंतरण कार्यक्रम का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसी क्रम में जनपद के सामुदायिक केंद्र रतापुर रायबरेली में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में लखनऊ में आयोजित मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उद्बोधन को सुना गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं/बालिकाओं एवं लाभार्थी उपस्थित रहे। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जनपद में आयोजित कार्यक्रम में मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी व मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मा0 अध्यक्ष द्वारा पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला कल्याण, बाल विकास पुष्टाहार विभाग व अन्य विभागों एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं व खिलाड़ियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं/बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर सभागार में उपस्थित सभी बालिकाओं एवं महिलाओं का स्वागत करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के विषय में जानकारी दी गयी। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनायें जिसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड/सामान्य), मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की जानकारी दी गयी। इसके अतिरिक्त सर्व शिक्षा अभियान के तहत 0 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों के निशुल्क शिक्षा के विषय में जानकारी दी गयी। इसके अतिरिक्त किसी आकस्मिक परिस्थिति में बालिकाओं एवं

महिलाओं की त्वरित सहायता हेतु निम्नलिखित हेल्प लाइन नम्बरों के बारे में बताया गया जिसमें मुख्यतः 112-आपात सहायता, 1090-वीमेन पावर लाइन, 1098-चाइल्ड हेल्प लाइन की जानकारी दी गयी। मा0 अध्यक्ष द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर बालिकाओं एवं महिलाओं को सम्बोधित करते हुए बताया गया कि महिलाओं की कहानियों को आमजन तक पहुंचाये जायेगा। जो समाज की रुढ़ियों व पूर्वागृहों से संघर्ष कर खुद सफल जीवन यापन कर रही है एवं दूसरी महिलाओं के लिये प्रेरणा श्रोत हैं। इसके माध्यम से समाज में बदलाव के लिये प्रयासरत महिलाओं जैसे-एंटरप्रेन्योरर, उद्धमी, समाजसेवी व समाज की रुढ़ियों व पूर्वागृहों से संघर्ष कर खुद सफल जीवन यापन कर रही महिलाओं की प्रेरक कहानियों को जनपद स्तर पर सोशल मीडिया, अखबार, रेडियो आदि के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर बालिकाओं एवं महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया गया कि शिक्षा के महत्व को समझते हुए छात्रायें समाज में शिक्षित होकर सशक्त समाज का निर्माण कर सकती हैं। समाज के सभी क्षेत्रों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर केक काटकर महिलाओं/बालिकाओं को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व के विषय में जागरूक किया गया एवं सभागार में उपस्थित समस्त बालिकाओं एवं महिलाओं को सम्बोधित करते हुए बताया गया कि वर्तमान में समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलायें एवं बालिकायें अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर समाज के उत्थान में अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। आप सभी से अनुरोध है कि अपनी प्रतिभा को पहचानकर समाज में के विकास में अपना योगदान प्रदान करने का कष्ट करें जिससे हम सभी मिलकर विकसित भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करा सकें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अहमद फरीद खान, वरिष्ठ कोषाधिकारी भावना श्रीवास्तव, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, क्रीडाधिकारी धीरेंद्र कुमार पुरुषोत्तम, तहसीलदार सदर आकृति श्रीवास्तव एवं अन्य संबंधितअधिकारीगण व मुकेश कुमार श्रीवास्तव, शिवेन्द्र सिंह सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं/बालिकाएं उपस्थित रही।

महिलाएं ही होती हैं घर की लक्ष्मी, उनका सम्मान होना चाहिए- आशा यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरहुआ। आज की

भागदौड़ भरी जिंदगी और डिजिटल युग में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। हर वर्ग और हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी मेहनत और कठिन परिश्रम के बल पर निरंतर आगे बढ़ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं ने संकल्प लिया कि समाज में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए, क्योंकि महिला ही समाज का आईना होती है। उन्हें देवी के रूप में भी पूजा जाता है। किसी भी कार्यक्रम, रिहर्सल या सामाजिक कार्य में यदि महिलाओं की भागीदारी न हो तो वह अधूरा सा लगता है, इसलिए महिलाओं का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है। इसी क्रम में आशा यस ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपनी संस्था द्वारा महिलाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज का आईना हैं और हर वर्ष 8 मार्च को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल महिलाओं को सम्मान देने का अवसर ही नहीं, बल्कि समाज में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण का संदेश फैलाने का भी दिन है। उन्होंने कहा कि इस महिला दिवस पर मेरी कामना है कि सभी महिलाएं आगे बढ़ें, साहसी बनें और अपने दिल में जो भी सपने संजोएं हैं, उन्हें पूरा करें। आप सभी एक अद्भुत शक्ति की प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक

और राजनीतिक योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर है। यह नारी शक्ति के संघर्ष और सफलता को दर्शाता है और महिलाओं को सशक्त बनने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर फाउंडेशन की सचिव रेखा सिंह, महामंत्री निशा देवी, साक्षी यादव सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

ऋतु परिवर्तन के दृष्टिगत फैलने वाली संक्रमित बीमारियों के लक्षण एवं उससे बचाव हेतु आवश्यक जानकारी दी गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली

वेलफेयर एसोसिएशन कार्यक्रम के अंतर्गत 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी प्रयागराज में सेनानायक महोदय श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव(आईपीएस) की उपस्थिति में वाहिनी चिकित्सक डॉ ओम प्रकाश द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। ऋतु परिवर्तन के दृष्टिगत फैलने वाली संक्रमित बीमारियों जैसे सर्दी, जुकाम, बुखार, टाइफाइड, मलेरिया, डेंगू आदि के लक्षण एवं उससे बचाव हेतु आवश्यक जानकारी उपस्थित समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण को दी गई। कार्यक्रम में शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह, सहायक शिविरपाल श्री हरदास, सूबेदार मेजर श्री राधेश्याम यादव एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महिला दिवस के अवसर पर चित्रकूट साइबर थाने की प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चित्रकूट। समाज में शांति, सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही चित्रकूट साइबर थाने की प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह को महिला दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति

पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्यनिष्ठा और साइबर अपराधों के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में किया गया, जहां जिले के प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और आम नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने रीता सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल साइबर अपराधों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि लोगों को जागरूक करने में भी सराहनीय योगदान दिया है। साइबर अपराधों के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान- प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान साइबर अपराधों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न संस्थानों में जाकर युवाओं और आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए उनका यह अभियान समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। रीता सिंह ने कई कार्यक्रमों में लोगों को बताया कि सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग कैसे किया जाए, ऑनलाइन धोखाधड़ी से कैसे बचा जाए और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत

साइबर थाने को सूचना कैसे दी जाए। उनके प्रयासों के कारण जिले में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता में काफी वृद्धि हुई है। कई मामलों का किया सफल खुलासा साइबर थाने की प्रभारी के रूप में रीता सिंह ने कई महत्वपूर्ण मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, बैंकिंग धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों में उन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर कई अपराधियों को गिरफ्तार कराया।पुलिस विभाग के अनुसार, पिछले कुछ समय में चित्रकूट जिले में साइबर अपराधों से जुड़े कई मामलों में पुलिस को सफलता मिली है, जिसका श्रेय काफी हद तक रीता सिंह और उनकी टीम को जाता है। उन्होंने न केवल अपराधियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की बल्कि कई पीड़ितों की ठगी गई रकम भी वापस दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने की सराहना- सम्मान समारोह के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि रीता सिंह का कार्य पूरे जिले के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध आज के समय की एक बड़ी चुनौती बन चुके हैं और ऐसे में पुलिस अधिकारियों का सजग और सक्रिय रहना बेहद जरूरी है। रीता सिंह ने अपने कार्यों से यह साबित किया है कि यदि लगन और ईमानदारी के साथ काम किया जाए तो किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने भी उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रीता सिंह ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों के कारण जिले में साइबर अपराधों के मामलों में नियंत्रण पाया गया है और लोगों का पुलिस पर विश्वास भी मजबूत हुआ है। समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण- रीता सिंह का यह सम्मान न केवल पुलिस विभाग के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। एक महिला अधिकारी के रूप में उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए यह दिखाया है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। कार्यक्रम में उपस्थित कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी रीता सिंह को बधाई दी और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के समय में साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय बन चुका है और इस दिशा में पुलिस की सक्रियता समाज के लिए बेहद जरूरी है। महिला सशक्तिकरण का भी संदेश- इस सम्मान के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का भी एक मजबूत संदेश गया है। रीता सिंह ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित किया है कि महिलाएं प्रशासन और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य कर सकती हैं। कार्यक्रम में मौजूद कई महिलाओं ने कहा कि रीता सिंह जैसी अधिकारी उनके लिए प्रेरणा हैं। उनके कार्यों से समाज में यह संदेश जाता है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। रीता सिंह ने जताया आभार- सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि पूरी साइबर थाना टीम का है, जो दिन-रात मेहनत करके लोगों की सुरक्षा के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों के खिलाफ लड़ाई तभी सफल हो सकती है जब पुलिस और आम नागरिक मिलकर काम करें। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या ऑनलाइन गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस को सूचना दें और साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करें। आगे भी जारी रहेगा अभियान- रीता सिंह ने कहा कि आगे भी साइबर अपराधों के खिलाफ जागरूकता अभियान जारी रहेगा। उनका उद्देश्य है कि जिले का हर नागरिक डिजिटल रूप से सुरक्षित रहे और किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी का शिकार न बने। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और पुलिस पूरी तत्परता के साथ ऐसे मामलों में कार्रवाई करेगी। इसके साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लोगों ने दी शुभकामनाएं- इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने रीता सिंह को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कई लोगों ने कहा कि ऐसे अधिकारियों के कारण ही समाज में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बना रहता है। कार्यक्रम का समापन सभी अधिकारियों और उपस्थित लोगों द्वारा रीता सिंह को बधाई देने के साथ हुआ। यह सम्मान न केवल उनके लिए बल्कि पूरे पुलिस विभाग के लिए गर्व का विषय है।

भव्य होली मिलनः नोएडा में उमड़ा आस्था और उत्साह का जनसैलाब, फूलों की होली और कवि सम्मेलन ने बांधा समां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) नोएडा महानगर द्वारा सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में

'होली मिलन समारोह' का आयोजन अत्यंत गरिमामयी और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर नोएडा के कोने-कोने से आए सैकड़ों रामभक्तों, सामाजिक संगठनों और मातृशक्ति ने सपरिवार सम्मिलित होकर सांस्कृतिक एकता और आपसी भाईचारे का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संगम- समारोह का मुख्य आकर्षण राधा-कृष्ण के स्वरूपों की मनमोहक झांकी और कवि सम्मेलन रहा।

महानगर अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी ने हास्य-व्यंग्य की अपनी विशिष्ट शैली से उपस्थित जनसमूह को ठहाकों से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए महानगर सह-मंत्री राजीव शर्मा 'राज' ने श्रृंगार और देशभक्ति के स्वरचित गीतों से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने ब्रज की होली और भक्ति भाव के माध्यम से राष्ट्र व संस्कृति की वंदना की। विशिष्ट अतिथियों का मार्गदर्शन विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ ए के अग्रवाल, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मेरठ प्रांत के संगठन मंत्री अरुण पांचजन्य ने कहा कि, 'होली केवल रंगों का उत्सव नहीं,

बल्कि यह अधर्म पर धर्म की विजय और समाज के हर वर्ग को समरसता के सूत्र में पिरोने का महापर्व है।' प्रांत मंत्री राजकुमार डूंगर ने संगठन की शक्ति और सांस्कृतिक जागरण पर जोर दिया।

महानगर मंत्री दिनेश महावर ने आगामी 'रामोत्सव एवं भव्य शोभायात्रा' की रूपरेखा साझा करते हुए हिंदू समाज के गौरवशाली उत्थान का आह्वान किया।

फूलों की होली और दिव्य आरती-कार्यक्रम के अंत में उपस्थित भक्तों ने राधा-कृष्ण के स्वरूपों के साथ फूलों की दिव्य होली खेलकर प्रेम का संदेश दिया। समूचा परिसर गुलाल और पुष्पों की वर्षा से महक उठा। अंत में भव्य आरती और प्रसाद वितरण के पश्चात सभी ने पारंपरिक व्यंजनों, मिष्ठान और ठंडाई का आनंद लिया। प्रमुख उपस्थिति-इस गरिमामयी अवसर पर प्रांत उपाध्यक्ष छाया बहन, विभाग संगठन मंत्री मुनेंद्र , विभाग मंत्री ललित , विभाग संयोजक सुमित यादव, विभाग सत्संग प्रमुख सतवीर, महानगर बजरंग दल संयोजक विनोद चौहान, मातृ शक्ति श्रीमती सुमन चौहान, दुर्गा वाहिनी संयोजिका दीक्षा बहन, विनोद बॉक्सर, प्रवीन, रोहित, श्यामवीर, नितेश, नवीन,सूरज मिश्रा जी,चंदन विष्णु शर्मा ,बलकेश , एम.के. श्रीवास्तव सहित समस्त जिलों के कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को जनपद के

कलेक्ट्रेट सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करना तथा उनके योगदान को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, एनआरएलएम विभाग, गृह विभाग (पुलिस), बाल विकास विभाग तथा महिला कल्याण विभाग से चयनित 5-5 उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक भूपेश चौबे उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, जिला भाजपा महिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह, प्रमिला त्रिपाठी तथा मीनू चौबे ने भी

कार्यक्रम में सहभागिता की। सभी अतिथियों ने अपने-अपने संबोधन में महिलाओं की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का लखनऊ से सीधा सजीव प्रसारण भी उपस्थित जनसमूह को दिखाया गया। मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, खंड शिक्षा अधिकारी राबर्ट्सगंज महेंद्र कुमार मौर्य,राजेश कुमार, दीपिका सिंह,सीडीपीओ शहर हरिमोहन तथा वन स्टॉप सेंटर की दीपिका सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महिला दिवस पर खिलाड़ियों का सम्मान बेटियां खेल में बढ़ा रहीं जिले का मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अंतर्राष्ट्रीय महिला

दिवस के अवसर पर रॉबर्ट्सगंज स्थित विशिष्ट स्टेडियम तियरा में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से कार्यक्रम आयोजित कर महिला खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान नंदिनी मौर्या, दीक्षा मिश्रा, शिवांगी राठौर, दीपिका भाटी, अंशिका, वर्षा कुमारी और आयुषी प्रजापति समेत विभिन्न महिला खिलाड़ियों को अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। खेल के क्षेत्र में भी बेटियां लगातार आगे बढ़कर जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के सम्मान, अधिकार और आत्मनिर्भरता के संकल्प को मजबूत करने का अवसर है। सरकार भी महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ता है। बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए हर संभव अवसर का लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी शमीम अहमद, अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षिका सुमंगला, एथलेटिक्स प्रशिक्षक सुनील कुमार यादव और जगदीश कुमार रावत मौजूद रहे। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की महामंत्री प्रमिला त्रिपाठी, सरोज केसरी, रितु अग्रहरि, श्रेया पांडेय सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

सोया मिल्क पनीर का उत्पादन करने वाली समूह कि दस महिलाओं को राजभवन लखनऊ में राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर जनपद सोनभद्र

में सोया मिल्क पनीर का उत्पादन करने वाली विकास खंड करमा की 10 समूह की महिलाओं को राजभवन लखनऊ में महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर के सम्मानित किया गया। समूह सदस्य श्रीमती सरिता देवी के द्वारा मंच पर महामहिम के समक्ष अपने सफलता की कहानी के बारे में बताया गया। महामहिम ने जनपद सोनभद्र का उदाहरण देते हुए विभिन्न जनपदों एवं प्रदेशों से आई हुई उत्कृष्ट कार्य करने वाली 500 महिलाओं को बताया कि यदि महिलाएं चाहे तो उसके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है, इसका सबसे बड़ा उदाहरण जनपद सोनभद्र है जो अत्यंत पिछला जनपद होने के बावजूद भी वहां पर समूह की महिलाएं सोयाबीन से दूध, पनीर, दही आदि उत्पाद बनाने का कार्य कर रही है जो स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बहुत ही लाभदायक है तथा इसकी बाजार में भी मांग बहुत ज्यादा है इससे न केवल महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है बल्कि समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार की बीमारियों को कम करने में भी यह उत्पाद सहायक साबित हो रहा है। अन्य महिलाओं को भी इनसे सीख लेकर के इस तरह के लघु उद्योग स्थापित करने चाहिए जिससे कि उनकी आमदनी बढ़ सके और वह सशक्त रूप से समाज में अपने आप को स्थापित कर सकें। जनपद सोनभद्र के समूह की 1.62 लाख महिलाओं के लिए यह अत्यंत ही गौरव का क्षण है जब यहां की महिलाओं को राज्य भवन में महामहिम के द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान अन्य सभी महिलाओं में अलग जगाने का कार्य करेगा और वह भी आगामी दिनों में बेहतर उद्योगों को स्थापित कर अपना नाम न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी स्थापित करने का प्रयास करेंगी।

सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक मीटिंग सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सेवानिवृत कर्मचारी एवं

पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जनपद शाखा सोनभद्र की ओर से संपादित होने वाली प्रत्येक माह की मासिक मीटिंग के क्रम में रोडवेज के बगल में आर्य समाज मंदिर के प्रांगण में जनपद अध्यक्ष सूरज बली सिंह की अध्यक्षता में मासिक मीटिंग सम्पन्न की गई। बैठक में अब तक आठवीं वेतन आयोग के संबंध में प्रांतीय स्तर पर किए जा रहे प्रयास से अवगत कराते हुए रसकरण की कटौती के संबंध में उच्च न्यायालय में दाखिल रेट याचिका जो नियत है से भी अवगत कराया गया। प्रदेश स्तर द्वारा चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान के क्रम में सर्वसम्मत से समर्थन करते हुए जोर शोर से हस्ताक्षर अभियान पूरा करने का निर्णय लिया गया। सभा में डॉक्टर विक्रमा प्रसाद, रामराज राम, एसपी भारती, सुरेश चंद्र, राम जी शर्मा, लक्ष्मण प्रसाद, रामाशंकर प्रसाद आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। मीटिंग के दूसरे सत्र में होली मिलन का समारोह संपादित किया गया, जिसमें उपस्थित सदस्य गण एक दूसरे को अबीर लगाकर मिष्ठान वितरण कर एवं एक दूसरे से गले मिलते हुए होली मिलन का भी समापन किया गया। अंत में जनपद अध्यक्ष द्वारा सभी उपस्थित क्रांतिकारी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए सभा समापन की घोषणा की गई।

आप ने की पंचायत चुनाव की तैयारी केंद्र सरकार पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आम आदमी पार्टी

सोनभद्र के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रमेश गौतम के नेतृत्व में मारकुंडी पहाड़ी के ऐतिहासिक स्थल वीर लोरिक स्मारक के पास आगामी पंचायत चुनाव के संदर्भ में संभावित प्रत्याशियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आवश्यक बैठक की।बैठक में मुख्य अतिथि काशी प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी (एडवोकेट) ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति पूरी तरह से विफल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रही है और देश के मान-सम्मान को गिरवी रख रही है। जिला प्रभारी सुनील पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार केजरीवाल को फंसाने के लिए साजिशें रच रही है, जबकि जनता स्कूल की फीस, प्रदूषण और बिजली जैसी बुनियादी समस्याओं के समाधान की उम्मीद करती है। जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा कि ईरानी जहाज का भारत की सीमा के पास डूबना और प्रधानमंत्री का एक शब्द न बोलना उनकी कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता और गौरव के साथ समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठरी में जिलाध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री की विदेश नीति पूरी तरह से विफल है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रही है और देश के मान-सम्मान को गिरवी रख रही है। बैठक में प्रदेश सचिव रमाशंकर शाहू, संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज पांडे, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, संतोष त्यागी, केवल सिंह कुशवाहा, जिला संरक्षक राम जी मौर्य, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार मौर्या, यूथ प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चौरसिया सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व छात्रा अनुराधा त्रिपाठी को मिला मिस कीनाराम अवार्ड,महिला सम्मेलन, पूर्व छात्रा मिलन व होली मिलन समारोह कार्यक्रम संपन्न

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर अम्बेडकर नगर स्थित संत कीनाराम महिला पीजी कालेज पर हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर रविवार को

अम्बेडकर नगर स्थित संत कीनाराम महिला पीजी कालेज में महिला सम्मेलन, पूर्व छात्रा मिलन व होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व छात्रा अनुराधा पाठक उर्फ अनुराधा त्रिपाठी को मिस कीनाराम अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व छात्राओं एवं वर्तमान कालेज की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंकित सिंह एवं मनु श्री की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कालेज के निदेशक डॉक्टर गोपाल सिंह ने पूर्व छात्रा अनुराधा पाठक उर्फ अनुराधा त्रिपाठी को मिस कीनाराम अवार्ड से सम्मानित किया। उसे प्रमाण पत्र के साथ ही गुलाब के फूल का बना ताज और गुलाब के फूल का बुक देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा विद्यालय की पूर्व छात्राओं को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पूर्व छात्रा अनुराधा पाठक उर्फ अनुराधा त्रिपाठी ने कहा कि मैं निदेशक डॉक्टर गोपाल सिंह को अपने पिता तुल्य मानती हूं तथा कालेज को मैं अपना मायका और छात्राओं को बहन तथा शिक्षिकाओं को बड़ी बहन माता स्वरूप मानती हूं।

कहा कि इस तरह का आयोजन होना चाहिए इससे मेलजोल होता है और सभी छात्राओं को मिस कीनाराम बनने की लालसा बढ़ेगी। जिसका परिणाम अच्छा होगा। इस आयोजन पर महिला पीजी कालेज की प्राचार्य मनु श्री की तारीफ करते हुए कहा कि पूर्व छात्राओं के मिलन कार्यक्रम का आयोजन सफल रहा। इसका भविष्य में अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा।

अनुराधा ने होली गीत, चैता गीत सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में सभी छात्राओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। इस मौके पर आरती पांडेय,शालिनी, अनुपमा, अन्नपूर्णा आदि मौजूद रही।

उभ्भा ग्राम में सरकार की योजनाएं बदहाल, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया और यह पुलिस कर्मियों की अदूरदर्शिता को भी दर्शाता है कि बगल में ही सरकार की चलाई

की ग्राम उभ्भा घोरावल में सरकार की सारी योजनाएं बदहाल स्थिति में भ्रष्टाचार कि भेंट चढ़ गई है। घोरावल तहसील के अंतर्गत ग्राम सभा उम्भा में वर्ष 2019 में आदिवासियों के साथ हुए अत्याचार और जघन्य हत्याकांड नरसंहार के बाद उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा गांव के विकास के लिए विभिन्न तरीके की योजनाओं को ग्राम में स्थापित किया गया था, जो आज बदहाल स्थिति में है या भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है या संरक्षण की स्थिति न होने के कारण खत्म होने के कगार पर है। व आगे आपको अवगत कराना है कि गांव में सोलर प्लांट लगाया गया था जिससे कि ग्राम वासियों को रोशनी की व्यवस्था हो सके, आज स्थिति मौके पर यह है कि लगभग 20 सोलर पैनल चोरी हो चुके हैं, सोलर प्लांट बंद हो चुका है, उससे कोई भी विद्युत उत्पादन नहीं हो रहा है। आए दिन बैटरियों के भी चोरी होने का समाचार मिलता रहता है, जबकि प्लांट के बगल में लगभग 60 मीटर दूरी पर पुलिस चौकी स्थापित है गई योजनाओं को नष्ट करने के लिए या खत्म करने के लिए चोरी को भी उभ्भा पुलिस चौकी नहीं रोक पा रही है। वही , चुकी जंगल और ग्रामीण सुदूर अंचल का इलाका है, मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार आदिवासियों के जीवन स्तर और उनके बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए गांव में ही एक आर.ओ प्लांट लगाया गया था, जो आज बदहाली की दंश झेल रहा है। गांव में ही स्थित प्राथमिक विद्यालय उभ्भा में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से छोटे-छोटे बच्चों को बोरिंग का पानी पीना पड़ रहा है, साफ सफाई की व्यवस्था बिल्कुल ही नहीं है। बताया कि उपरोक्त समस्याओं को संज्ञान में लें एवं जांच कराकर दोषियों के खिलाफ उचित कार्यवाही करने की कृपा करें। मौजूद रहे पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी,आर टी आई जिलाध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, जिला महासचिव दयाशंकर पांडे उपस्थित थे।

होली मिलन समारोहः एकजुटता और सौहार्द का संगम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज स्थित एक लान परिसर मे 'अपना दल (एस)'

विधि मंच) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक चौबे और अपना दल एस के जिला अध्यक्ष अंजनी पटेल द्वारा भव्य 'होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर न केवल अपना दल (एस) के कार्यकर्ता/पदाधिकारी, बल्कि भाजपा, सपा, कांग्रेस, रालोद, निषाद पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के हजारों गणमान्य साथियों, अधिवक्ता साथी, व्यापारी भाई व अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत की। यह आयोजन इस बात का प्रतीक रहा कि राजनीति से ऊपर उठकर प्रेम और भाईचारा ही हमारी असली पहचान है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रमेश मिश्रा, अजीत चौबे पूर्व जिला अध्यक्ष , चौधरी यशवंत सिंह , सत्य नारायण सिंह पटेल, अजित रावत ब्लॉक प्रमुख रॉबर्ट्सगंज, रुबी प्रसाद नगर पालिका अध्यक्ष, अमरेश पटेल पूर्व अध्यक्ष,डॉ धर्मवीर तिवारी, दिनेश बयार, ज्योत नारायण पटेल , गोपाल सिंह, स्वामी डॉ दयानिधि महाराज, डॉ उमेश पटेल , आनंद पटेल दयालु , विवेक पटेल , विनय श्रीवास्तव , अनिकेत निषाद, मनोज पांडेय, धीरज पांडेय , नागेशमणी पाठक , रामभरोसे सिंह पटेल, जेसी विमल सिंह, विमलेश पटेल, मान सिंह गोंड़ , नामवर सिंह यादव , शिव गोपाल सिंह यादव , मोहन सिंह कुशवाहा , योगेश द्विवेदी (सचिव, सोनभद्र बार एसोसिएशन), विकास शाक्य (अधिवक्ता) संतोष पटेल अधिवक्ता, पवन सिंह, विमलेश पटेल, रमाकांत पांडेय, विवेक पांडेय, मुकेश सिंह सहित भारी संख्या में अधिवक्ता साथियों, पत्रकार साथी और प्रबुद्ध जनों तथा अपना दल ए के पूरी जिला इकाई, प्रदेश/राष्ट्रीय चारों विधानसभा के सभी वरिष्ठ लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दीपावली-छठ के बाद होली भी बीती, आठ माह से नहीं मिला मानदेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आठ माह से लंबित मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर सोमवार को मनरेगा कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन व मनरेगा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और शीघ्र भुगतान की मांग की। जिलाध्यक्ष विनय कुमार पांडेय के नेतृत्व में पहुंचे कर्मचारियों ने बताया कि करीब आठ माह से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे कर्मचारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। दीपावली, छठ और अब होली जैसे बड़े त्योहार भी बिना मानदेय के ही गुजर गए, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि बच्चों की फीस, बुजुर्ग माता-पिता की दवा और रोजमर्रा के खर्च पूरे करना भी मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद शासन स्तर से काम का दबाव लगातार बनाया जा रहा है, लेकिन मानदेय भुगतान को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। मनरेगा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विनय मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2015 से कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ की कटौती की जा रही है, लेकिन अब तक पूरी राशि कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं की गई है। इससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही लंबित मानदेय और ईपीएफ की राशि का भुगतान नहीं किया गया तो मनरेगा कर्मचारी जनपद में कलमबंद हड़ताल करने को बाध्य होंगे। इस दौरान पंकज कुमार, अवनीश कुमार, विमलेश कुमार, अभिलाष सिंह, हरिशंकर सिंह, प्रदीप सिंह राणा, वेद प्रकाश, मिथिलेश, अशोक, संतोष यादव, मिराज अहमद, सुनील कुमार सिंह, प्रशांत सिंह, शायदा बेगम, गिरीश चंद्र, सतीश कुमार, संजय कुमार, भूपेंद्र कुमार, सुरेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद।

भारत ने 3 साल में 3 आईसीसी ट्रॉफी जीतीं,एक टी-20 वर्ल्डकप में 100+ सिक्स लगाए

अहमदाबाद। भारत ने तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 5 विकेट पर 255 रन बनाए, न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। साथ ही टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी, जबकि संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में एक एडिशन में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।भारत ने सिर्फ तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां अपने नाम कर लीं। टीम ने 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर 17 साल बाद यह खिताब हासिल किया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर जीत की लय बरकरार रखी और अब 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी हासिल कर ली। टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में दो-दो बार हारने वाली टीमों में पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। पाकिस्तान 2007 और 2022 में, श्रीलंका 2009 और 2012 में, जबकि न्यूजीलैंड 2021 और 2026 में फाइनल हार चुका है। भारत ने

टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नया अध्याय लिख दिया। टीम इंडिया 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं।भारत एक टी-20 वर्ल्ड कप में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में 106 छक्के लगाए। इस रिकॉर्ड में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज है, जिसने 2026 में ही 76 छक्के लगाए।इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200ए का स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम इंडिया ने अब तक सात बार 200प्लस रन बनाए हैं। इस रिकॉर्ड में साउथ अफ्रीका 6 बार 200ए स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड 4-4 बार यह आंकड़ा पार कर चुके हैं। टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 250प्लस स्कोर बनाने के मामले में भी भारत टॉप पर है। टीम इंडिया अब तक सात बार 250 से ज्यादा का स्कोर बना चुकी है। इस रिकॉर्ड में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद 5 बार 250प्लस स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत ने 2026 में चार बार 250प्लस स्कोर बनाया, जो किसी भी टीम से एक साल में सबसे ज्यादा है।अहमदाबाद में खेले गए 2026 टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत ने 255 रन का विशाल स्कोर बनाया। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। दूसरा स्थान भी भारत के नाम है, जिसने 2024 के फाइनल

में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 176 रन बनाए थे। इसके बाद 2021 के फाइनल में न्यूजीलैंड का 172/4 और 2007 के फाइनल में भारत का 157/5 स्कोर शामिल है।भारत ने 2026 के फाइनल में पावरप्ले के 6 ओवर में 92 रन बनाए, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इस रिकॉर्ड में दूसरा स्थान भी 92 रन का है, जो वेस्टइंडीज ने 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ बनाया था। इसके बाद नीदरलैंड्स का 91/1 और इंग्लैंड का 89/3 स्कोर आता है। भारत ने 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत की सबसे बड़ी जीत 2026 में ही नामीबिया के खिलाफ 93 रन की थी, जबकि 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टीम ने 90 रन से जीत दर्ज की थी।संजू सैमसन ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में 89 रन की पारी खेली, जो टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल इतिहास की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी है। इससे पहले वेस्टइंडीज के मार्लन सैमुअल्स ने 2016 के फाइनल में नॉटआउट 85 और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने 2021 के फाइनल में 85 रन बनाए थे।भारत ने फाइनल में 18 छक्के लगाए, जो फाइनल में किसी टीम द्वारा लगाए गए सबसे ज्यादा छक्कों में शामिल है। इसी मैच में भारत ने कुल 37 बाउंड्री लगाईं, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी टीम की एक पारी में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले रिकॉर्ड्स में शामिल है।भारत ने 2026 के फाइनल में सिर्फ 7.2 ओवर में 100 रन पूरे कर लिए। यह टी-20 वर्ल्ड कप नॉकआउट (सेमीफाइनल प्लस फाइनल) मुकाबलों में सबसे तेज टीम शतक है। इस रिकॉर्ड में दूसरे स्थान पर न्यूजीलैंड है, जिसने 2026 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 7.5 ओवर में 100 रन बनाए थे। जसप्रीत बुमराह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। उनके नाम 40 विकेट हैं। इस रिकॉर्ड में श्रीलंका के लसिथ मलिंगा और साउथ अफ्रीका के एनरिक नॉर्खिया 38-38 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि भारत के अर्शदीप सिंह और न्यूजीलैंड के टिम साउदी 36-36 विकेट के साथ अगले स्थान पर हैं। अहमदाबाद में खेले गए 2026 टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लेने के लिए सिर्फ 15 रन दिए। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का दूसरा बेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन है। इस रिकॉर्ड में पहला स्थान श्रीलंका के अजंथा मेंडिस के नाम है, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 4/12 का प्रदर्शन किया था। इसके बाद तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज के सुनील नरेन (3/9), चौथे स्थान पर इंग्लैंड के सैम करन (3/12) और पांचवें स्थान पर भारत के इरफान पठान (3/16) हैं। 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 321 रन बनाए। यह किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा एक टी-20 वर्ल्ड कप एडिशन में बनाए गए सबसे

ज्यादा रन हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 2014 में 319 रन बनाए थे। इस रिकॉर्ड में 2026 टूर्नामेंट में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 383 रन के साथ टॉप पर रहे, जबकि न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट 326 रन के साथ दूसरे स्थान पर रहे।संजू सैमसन ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार तीन पारियों में 80 से ज्यादा रन बनाए। वे एक ही वर्ल्ड कप एडिशन में लगातार तीन अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में यह उपलब्धि इससे पहले महेला जयवर्धने, विराट कोहली, बाबर आजम, केएल राहुल और कुसल मेंडिस हासिल कर चुके हैं। अब संजू सैमसन भी इस रिकॉर्ड में शामिल हो गए। सैमसन ने सेमीफाइनल और फाइनल दोनों मुकाबलों में अर्धशतक लगाया। ऐसा करने वाले वे टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास के चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले शाहिद अफरीदी (2009), विराट कोहली (2014) और टिम साइफर्ट (2026) यह कारनामा कर चुके हैं।संजू सैमसन ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 24 छक्के लगाए, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा एक वर्ल्ड कप एडिशन में लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के फिन एलन के 20 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस रिकॉर्ड में वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर 19 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

धोनी बोले- कोच साहब, आप पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है,कोहली ने जीत को अद्भुत बताया

सचिन ने कहा- इनक्रेडिबल वर्क टीम इंडिया

अहमदाबाद। भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत ने एमएस धोनी को भी सोशल मीडिया पोस्ट करने पर मजबूर कर दिया। पूर्व कप्तान धोनी

ने चैंपियन टीम की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की और लिखा, अहमदाबाद में इतिहास रचा गया। कोच साहब (गौतम गंभीर), आपके चेहरे पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है। वहीं सचिन तेंदुलकर पूरे मैच के दौरान एक्स पर एक्टिव नजर आए। जीत के बाद उन्होंने कहा, टीम इंडिया ने इनक्रेडिबल वर्क किया। विराट कोहली बोले, अहमदाबाद में भारत ने अद्भुत जीत हासिल की। भारत ने रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल जीता। टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया और 3 साल में तीसरा आईसीसी टाइटल अपने नाम किया। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप भी तीसरी बार ही जीता है।बुमराह चैंपियन बॉलर- धोनी एमएस धोनी ने 21 महीने बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कोई फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, 'अहमदाबाद में इतिहास रचा गया। टीम इंडिया, सपोर्ट स्टाफ और सभी फैंस को बधाइयां। आप सभी को खेलते हुए देखकर बहुत खुशी हुई। कोच साहब (गौतम गंभीर) आपके चेहरे पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है। मैच इंटेंसिटी के साथ आपकी स्माइल एक किलर कॉम्बिनेशन है। बेहतरीन प्रदर्शन, मजे कीजिए। बुमराह के बारे में कुछ न लिखूं तो ही अच्छा है। चैंपियन बॉलर।' धोनी ने इससे पहले 2024 में टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर ही सोशल मीडिया पर बधाई दी थी। इस बार तो वे सेमीफाइनल और फाइनल के दौरान स्टेडियम में भी मौजूद रहे।संजू ने स्मार्ट बैटिंग की- सचिन सचिन तेंदुलकर फाइनल के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक्टिव नजर आए। उन्होंने संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, शिवम दुबे, अक्षर पटेल और जसप्रीत की तारीफ की। संजू पर उन्होंने कहा, 'सैमसन बड़ी स्मार्ट बैटिंग कर रहे हैं, वे जानते हैं कि कहां अटैक करना है और कहां डिफेंड करना है। ईशान किशन ने भी बेहतरीन शॉट्स खेले।' मैच के बाद तेंदुलकर बोले, 'भारत और न्यूजीलैंड के बॉलर्स में यही अंतर रहा कि इंडिया ने स्लोअर गेंदें बहुत ज्यादा इस्तेमाल कीं। अहमदाबाद में शॉर्ट पिच गेंदें और वैरिएशन ही कारगर रहे। टी-20 वर्ल्ड कप लगातार 2 बार जीतना खास अहसास है। भारत इस ट्रॉफी को जीतना डिजर्व करता है। भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, टीम ने स्पेशल ब्रांड का क्रिकेट खेला। बेहतरीन टीम इंडिया, जय हिंद। जीत के बाद सेलिब्रेशन के लिए मुंबई में नहीं हूं, लेकिन मेरे घर के बाहर लोगों के जश्न के वीडियो देख रहा हूं। बेहतरीन रात। बेहतरीन काम, टीम इंडिया।

90फ़ीसदी टूथपेस्ट में मिला खतरनाक लेड मेटल, लेड पॉइजनिंग से हर साल होती 15 लाख मौतें

नई दिल्ली। हम अपने दांतों को मजबूत और चमकदार बनाए रखने

के लिए हर रोज टूथपेस्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन टूथपेस्ट में कुछ ऐसे खतरनाक इंग्रीडिएंट्स हो सकते हैं, जो हमारी सेहत के लिए बिल्कुल भी सेफ नहीं हैं। हाल ही में अमेरिकी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन 'लेड सेफ मम्मा' ने 51 टूथपेस्ट और टूथ पाउडर ब्रांड के सैंपल की जांच रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सहित दुनियाभर में बिक रहे कई प्रमुख टूथपेस्ट ब्रांड में लेड, आर्सेनिक, मर्करी और कैडमियम जैसे हैवी मेटल्स पाए गए। इनमें से करीब 90प्रतिशत टूथपेस्ट में लेड की मात्रा थी, जबकि अधिकांश में एक से ज्यादा हैवी मेटल्स थे। हैरानी की बात तो ये है कि इनमें बच्चों के टूथपेस्ट और 'ग्रीन' यानी नेचुरल टूथपेस्ट भी शामिल थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि ये हैवी मेटल्स सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, साल 2021 में दुनिया में लेड पॉइजनिंग की वजह से 15 लाख लोगों की मौत हुई थी। वहीं यूनिसेफ की 'टॉक्सिक ट्रूथ' नामक एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया का हर तीसरा बच्चा लेड पॉइजनिंग से पीड़ित है।लेड हमारी सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है, इसके खतरे से कैसे बचा जा सकता है, सही टूथपेस्ट का चुनाव कैसे करें, लेड एक टॉक्सिक मेटल है, जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। इसका इस्तेमाल पेंट, बैटरी, कॉस्मेटिक, खिलौने और कंस्ट्रक्शन मटेरियल में किया जाता है। लेड के संपर्क में आने से सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों के ब्रेन को होता है। यह उनकी सीखने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता पर बुरा असर डालता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के मुताबिक, लेड के संपर्क से बच्चों का आईक्यू लेवल 4-5 पॉइंट्स तक घट सकता है। इसके अलावा लेड हमारी हड्डियों, दांतों, किडनी, लिवर और हार्ट को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। सबसे खराब बात ये है कि लेड धीरे-धीरे शरीर में जमा होता रहता है और पता इसका पता तब चलता है, जब शरीर किसी गंभीर बीमारी के चपेट में आ जाता है। यह एक ऐसा जहर है, जिसकी थोड़ी सी भी मात्रा नुकसानदायक है। लेड पॉइजनिंग तब होती है, जब शरीर में इसकी मात्रा ज्यादा जमा हो जाती है।

गुड हैबिट्स- भोजन में ढेर सारी सब्जियां खाने की आदतःसब्जी खाने से दिमाग होता तेज, बढ़ती उम्र, कब्ज, अपच, बीमारियां दूर रहती हैं

नयी दिल्ली। दुनिया में 5 ब्लू जोन हैं। यहां के लोगों की औसत उम्र 100 साल से ज्यादा है। ये लोग लंबे जीवन के लिए 9 नियम अपनाते हैं। उनमें सबसे खास है कि प्लांट बेस्ड खाना ही खाएंगे।

ऐसी सभी चीजें खाएंगे, जो पेड़-पौधों के रूप में प्रकृति ने हमें दी हैं। ये खाने में ज्यादा-से-ज्यादा सब्जियां शामिल करते हैं। इसमें कोशिश ये होती है कि जितने ज्यादा रंगों की सब्जियां खाने में शामिल कर सकें। सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। इनसे मिले न्यूट्रिएंट्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज जैसी क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। खास बात ये है कि इनमें कैलोरी और फाइबर कम होता है। आज 'गुड हैबिट्स' कॉलम में ज्यादा सब्जियां खाने की आदत के बारे में जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- खाने में सब्जियां ज्यादा क्यों होनी चाहिए? ज्यादा सब्जियां खाने के क्या फायदे हैं? सब्जियां क्यों हैं इतनी खास? सब्जियां हमारे शरीर के लिए एक सुपरफूड की तरह हैं। इनमें की ढेरों वैरायटी- हर फल और सब्जी का स्वाद और बनावट अलग होती है। आप चाहें तो तीखे स्वाद वाले प्याज, जैतून और मिर्च ट्राई करें या फिर हल्के स्वाद वाले मशरूम और कॉर्न। मीठा खाने का मन हो तो अंगूर, अनन्नास और आलूबुखारा खाएं और खट्टे स्वाद के लिए नींबू और चकोतरा बढ़िया हैं। फाइबर से भरपूर- अधिकतर फल और सब्जियां फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पेट भरने और पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। ज्यादा फाइबर वाली सब्जियां हैं- मटर, ब्रोकली और फूलगोभी। फाइबर वाले फल हैं- रसभरी, नाशपाती और सेब। कम कैलोरी, कम फैट- अमूमन फल और सब्जियां कम कैलोरी और फैट वाली होती हैं, इसलिए इन्हें ज्यादा मात्रा में खा सकते हैं बिना वजन बढ़ने की चिंता के। उदाहरण के तौर पर, आधा कप अंगूर खाने से आप एक चौथाई कप के मुकाबले 200 से ज्यादा कैलोरी बचा सकते हैं। हां, एवोकाडो, जैतून और नारियल जैसे कुछ अपवाद भी हैं जिनमें थोड़ा ज्यादा फैट होता है। बीमारियों से बचाव- फल और सब्जियों में कुछ खास प्राकृतिक तत्व फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो

विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो हमें अंदर से मजबूत बनाते हैं। लेकिन ऐसा क्या है जो इन्हें इतना जरूरी बनाता है? विटामिन और मिनरल्स का खजाना- फल और सब्जियां विटामिन ए,सी,ई और मिनरल्स जैसे मैग्नीशियम, जिंक, फॉस्फोरस और फोलिक एसिड से भरपूर होती हैं। पोटेशियम कई बीमारियों से बचाव करते हैं। इन्हें खाने से डायबिटीज टाइप 2, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर का खतरा कम हो सकता है। खासकर ब्रोकली, पत्ता गोभी, सरसों और जलकुंभी जैसी क्रूसीफेरस सब्जियां कैंसर से बचाव में मददगार मानी जाती हैं। अच्छी सेहत में मददगार- इनमें सैचुरेटेड फैट, नमक और चीनी

के लिए एवोकाडो, शकरकंद, केला, आलूबुखारा और टोमैटो प्यूरी खाएं। स्वाद और टेक्सचर बहुत कम होती है, इसलिए ये बैलेंस्ड डाइट का हिस्सा बनती हैं। ये वजन कम करने या बढ़ने से बचाने में मदद करती हैं। साथ ही सूजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर घटाने में भी असरदार हैं। बहुत कम सोडियम और कोलेस्ट्रॉल- ताजे फल और सब्जियों में सोडियम बहुत कम होता है। जैसे बहुत लोग मानते हैं कि सेलरी में सोडियम ज्यादा होता है, लेकिन एक डंठल में सिर्फ 30 मिलीग्राम होता है, जो सिर्फ 1फीसदी डेली वैल्यू है। सब्जियां कैसे खाएं? अब सवाल यह है कि सब्जियों को अपनी रोज की डाइट में कैसे शामिल करें। बहुत से लोग सोचते हैं कि सब्जियां खाना बोरिंग है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कुछ आसान तरीके हैं-सब्जियों को सलाद बनाएंः पालक, टमाटर, खीरा और गाजर को मिलाकर एक रंग-बिरंगा सलाद तैयार करें। थोड़ा नींबू और नमक डालें, मजा दोगुना हो जाएगा। सूप में डालकर खाएंः ठंड के दिनों में सब्जियों का सूप बनाएं। गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर इसे सेहतमंद और स्वादिष्ट बनाएं। भूनकर खाएंः आलू, वजन बढ़ने का खतरा नहीं रहता और शरीर फिट रहता है। दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है हरी सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स मस्तिष्क को सक्रिय रखते हैं और याददाश्त बेहतर बनाते हैं। त्वचा निखरती है- विटामिन ए और सी से भरपूर सब्जियां त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और जवां बनाए रखने में मदद करती हैं। हर दिन कम से कम 2-3 कटोरी सब्जियां खानी चाहिए। इससे न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आपका मूड भी अच्छा रहता है। सब्जियां न खाने का नुकसान- अगर सब्जियां नहीं खाते, तो शरीर को जरूरी तत्व नहीं मिलते। इम्यूनिटी कमजोर होती है, पेट खराब रहता है और वजन बढ़ने का खतरा रहता है। लंबे समय तक ऐसा चला तो डायबिटीज और हार्ट की बीमारियां भी हो सकती हैं। आपके शरीर को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है- पाचन की दिक्कतः फाइबर की कमी से पेट

शिमला मिर्च और बैंगन को हल्का तेल लगाकर भून लें। यह नाश्ते के लिए भी बढ़िया है। स्मूदी ट्राई करेंः पालक या चुकंदर को फलों के साथ ब्लेंड करें। यह पीने में आसान और पोषण से भरपूर होता है। दाल में मिलाकर खाएंः अपनी रोज की दाल में थोड़ी सी सब्जियां डालें, जैसे लौकी या पालक। स्वाद और सेहत दोनों बेहतर होते हैं। सब्जियां खाने के फायदे - सब्जियां खाने से हमारे शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। इसके खराब रहता है। कमजोरीः विटामिन्स न मिलने से थकान जल्दी होती है। बीमारियों का खतराः दिल और डायबिटीज जैसी बीमारियां बढ़ सकती हैं। वजन बढ़ता हैः सब्जियों की जगह जंक फूड खाने से मोटापा हो सकता है। सब्जियों को खाने में कैसे शामिल करें? सब्जियां खाना कोई मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ा सा दिमाग लगाएं और ये आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाएंगी। मेरे साथ भी ऐसा ही

कुछ खास फायदे हो सकते हैं- पेट की सेहत बेहतर रहती है सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या नहीं होने देता। बीमारियों से बचाव होता है सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। वजन कंट्रोल में रहता है सब्जियां कैलोरी में कम और पोषण में ज्यादा होती हैं, जिससे हुआ। पहले मुझे पालक और भिंडी बिल्कुल पसंद नहीं थे। कुछ आसान तरीके आजमाएं और अब मेरी थाली में हर दिन कोई न कोई सब्जी जरूर होती है। सब्जियां खाना सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, पूरी जिंदगी के लिए फायदेमंद है। ये छोटी-सी आदत आपको लंबा और खुशहाल जीवन दे सकती है। आज से ही शुरू करें। अपनी थाली में रंग भरें और देखें कि आपका शरीर और मन दोनों कैसे खिल उठते हैं।

टिफिन पैकिंग के 10 टिप्स

नई दिल्ली। गर्मियों में टिफिन में रखे खाने को फ्रेश और सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। सुबह घर से तैयार किया गया खाना दोपहर तक खराब हो सकता है, खासकर जब

तापमान 40 डिग्री के आसपास पहुंच जाए। ये समस्या वर्किंग प्रोफेशनल्स से लेकर स्कूल-कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स तक सभी के लिए आम है। ऐसे में खाने-पीने की चीजों को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है, ताकि न तो स्वाद खराब हो और न ही सेहत पर असर पड़े।टिफिन में खाना देर तक कैसे फ्रेश रख सकते हैं? खाना पैक करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? गर्मियों में तापमान बढ़ने और हवा में नमी अधिक होने से बैक्टीरिया और फफूंदी (फंगस) को पनपने का अनुकूल माहौल मिल जाता है। तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर सूक्ष्म जीव तेजी से बढ़ने लगते हैं, जिससे खाना जल्दी सड़ने लगता है। खाने में अजीब गंध आना, स्वाद बदल जाना या उसका चिपचिपा हो जाना इसके मुख्य लक्षण हैं। गर्मी में वे फूड आइटम्स जल्दी खराब होते हैं, जिनमें नमी ज्यादा होती है। जैसे दाल, सब्जी, चावल या दही। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के मुताबिक, अगर पका हुआ खाना दो घंटे से ज्यादा समय तक गर्म और खुली जगह में रखा रहे, तो उसमें हानिकारक बैक्टीरिया विकसित होने लगते हैं। गर्मियों में जब तापमान 40ष्टण के करीब पहुंचता है, तब सुबह 8 बजे तैयार किया गया टिफिन दोपहर 1 बजे तक खराब होने की स्थिति में आ सकता है। खासतौर पर अगर गर्म खाना बंद डिब्बे में पैक किया गया हो, नमी ज्यादा हो या टिफिन सही से साफ न किया गया हो।आमतौर पर ऑफिस या स्कूल में टिफिन को फ्रिज में रखने की सुविधा नहीं होती और बैग में घंटों तक गर्मी में रखा टिफिन उस 'डेंजर जोन' में पहुंच जाता है, जिसमें फूड पॉइजनिंग वाले बैक्टीरिया सबसे तेजी से बढ़ते हैं।टिफिन में हल्का, सूखा और जल्दी न खराब होने वाला खाना रखना चाहिए। जैसे थेपला, सूखी सब्जी या इडली। गरम खाना सीधा बंद टिफिन में न डालें। उसे थोड़ा ठंडा करके रखें, ताकि भाप से नमी न बने। अगर आप दही, कटे फल या सलाद पैक कर रहे हैं तो उन्हें अलग एयरटाइट डिब्बे में रखें और कोशिश करें कि टिफिन बैग में एक छोटा आइस पैक भी हो। साथ ही इंसुलेटेड टिफिन गर्मियों में बहुत मददगार होते हैं। ये तापमान को देर तक कंट्रोल में रखते हैं और खाना जल्दी खराब नहीं होता है।गर्मियों में रात का बचा हुआ खाना अगले दिन टिफिन में पैक करना रिस्की हो सकता है। अगर ऐसा खाना टिफिन में रखना ही है तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।रात का खाना पकने के 2 घंटे के अंदर फ्रिज में रख देना चाहिए। अगर वह देर तक बाहर कमरे के तापमान पर रखा रहा, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं।सुबह उस खाने को अच्छी तरह गर्म करना जरूरी है, ताकि बैक्टीरिया मर जाएं। लेकिन बहुत गरम खाना सीधे टिफिन में न भरें। थोड़ा ठंडा करके ही पैक करें।ये चीजें जल्दी खराब होती हैं, इसलिए इन्हें टालें। इनकी बजाय सूखी सब्जी, इडली, थेपला या पराठा जैसे ऑप्शन ज्यादा सुरक्षित होते हैं।अगर सुबह उठते ही खाने से हल्की बदबू आ रही हो, चिपचिपा लगे या रंग थोड़ा बदला हुआ लगे, तो ऐसा खाना टिफिन में न दें। चाहे वह फ्रिज में ही रखा क्यों न हो। डॉ. अमृता मिश्रा बताती हैं कि कुछ घरेलू और नेचुरल प्रिजर्वेटिव खाने को ज्यादा देर तक फ्रेश और सुरक्षित रखने में मददगार हो सकते हैं। ये नेचुरल प्रिजर्वेटिव न केवल बैक्टीरिया की ग्रोथ को धीमा करते हैं, बल्कि खाने के स्वाद और खुशबू को भी बनाए रखते हैं।

मंडेला से सीखें दृढ़ निश्चय की ताकत, दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं स्किल है

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के ट्रांसकेई में एक छोटा-सा गांव था- म्वेजों। वहीं एक गरीब जनजातीय परिवार में 1918 में नेल्सन मंडेला का जन्म हुआ। बचपन से ही उन्होंने भेदभाव और अन्याय झेला। कॉलेज में पढ़ते वक्त जब उन्होंने देखा कि अश्वेतों को इंसान नहीं, गुलाम समझा जाता है तो उन्होंने तय कर लिया कि वो इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। इसके लिए उन्हें बार-बार जेल भेजा गया, प्रताड़ित किया गया और अंत में तो 27 साल तक कालकोठरी में बंद कर दिया गया। मगर मंडेला न डरे, न झुके, न टूटे। जेल की सलाखों के पीछे भी वे हर दिन खुद से कहते रहे- मेरा संघर्ष सही है, मेरी लड़ाई रंगभेद के खिलाफ है और एक दिन हमें आजादी जरूर मिलेगी। सोचिए ऐसी कौन-सी ताकत थी, जो 27 साल तक उन्हें जेल में भी उन्हें नहीं तोड़ सकी? उसका जवाब है- दृढ़ निश्चय। वो निश्चय, जो हर दिन उन्हें जगा देता था, जो उन्हें अपने लक्ष्य से भटकने नहीं देता था और जिसने उन्हें नायक बना दिया। 'दृढ़ निश्चय' यानी डिटर्मिनेशन। हम समझेंगे कि सफलता में दृढ़ निश्चय की भूमिका कितनी अहम है और इसे कैसे अपने भीतर मजबूत किया जा सकता है। जो ठान लो, वो करके दिखाओ- यही है दृढ़ निश्चय, दृढ़ निश्चय का मतलब है, अपने फैसले पर अडिग रहना, चाहे हालात जैसे भी क्यों न हों। ऐसे लोगों के इरादे, मौसम की तरह बदलते नहीं हैं। उन्हें हमेशा अपनी मंजिल दिखती रहती है, चाहे रास्ते में कितनी भी कठिनाई आए।दृढ़ निश्चय ऐसी पावर है, जो आपको लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है, फिर चाहे रास्ते में कितनी भी बाधाएं आएं। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग मुश्किल हालात में भी अपने गोल्स से नहीं भटकते हैं, उनके दिमाग में 'ऐन्टीरियर सिंग्युलेट कॉर्टेक्स' ज्यादा सक्रिय रहता है। ये दिमाग का वो हिस्सा है, जो हमें फोकस बनाए रखने, दबाव में निर्णय लेने और बड़े लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है।आत्मविश्वास रखिये आप असफलताओं से डरना बंद कर देते हैं।, धैर्य जिससे आप लंबे समय तक मेहनत करने को तैयार रहते हैं।, निर्णय क्षमता जिससे आप कठिन परिस्थितियों में बेहतर फैसले लेते हैं। अवसर जिससे यह आपको रुकावटों को अवसरों में बदलने की ताकत देता है।दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि एक स्किल है, जिसे अभ्यास से डेवेलप किया जा सकता है। इसके 4 आसान तरीके हैं, अपने सपने को स्पष्ट करें। यह नौकरी, बिजनेस, या सामाजिक बदलाव हो सकता है। हर दिन पूछें: 'मैं यह क्यों चाहता हूं?' मंडेला का 'व्हाई' था- समानता। आपका 'व्हाई' आपको भटकने नहीं देगा। .असफलता को विराम समझें न की हार, हार अंत नहीं, एक पड़ाव है। मंडेला ने 27 साल जेल में बिताए, लेकिन इसे खत्म नहीं माना। हर असफलता से सीखें और आगे बढ़ें। हर हार के बाद लिखें मैंने इससे क्या सीखा? बड़ा सोचें और धीरे चलें मंडेला का लक्ष्य सिर्फ अपनी आजादी नहीं, पूरे देश की आजादी था। बड़ा लक्ष्य आपको प्रेरित रखता है, लेकिन छोटे कदम आपको वहां ले जाते हैं।क्या करें: अपने लक्ष्य को 5 साल, 1 साल और 1 महीने के टुकड़ों में बांटें।हर किसी की जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है, जब हालात पूछते हैं- अब क्या करोगे? वहीं से आपकी सच्ची कहानी शुरू होती है।खुद से ये 5 बातें रोज कहें मेरा लक्ष्य बड़ा है, इसलिए मेरी राह भी कठिन होगी।मैं मुश्किलों से नहीं डरता, मैं उनसे सीखता हूं।हर असफलता मुझे एक कदम मजबूत बनाती है।मुझे कोई नहीं रोक सकता, जब तक मैं खुद न रुकूं।मैं अपनी कहानी का नायक हूं, हार नहीं मानूंगा।दृढ़ निश्चय वाले लोग दूसरों को भी प्रेरित करते हैं, जैसे मंडेला ने किया।उदाहरण के लिए ऐसे समझें कि मंडेला ने जेल में भी पढ़ाई की, पत्र लिखे और अपने साथियों को संगठित किया। उनका निश्चय सिर्फ उनकी जीत नहीं, बल्कि पूरे देश की जीत बना।दुनिया को दिखाएं कि आप क्या कर सकते हैंदृढ़ निश्चय ही आपके सपनों को हकीकत में बदल सकता है। यह आपको मंडेला की तरह नायकों की कतार में खड़ा कर सकता है। आज से ही शुरू करें, खुद से छोटा सा वादा करें और अपना लक्ष्य स्पष्ट करके उसकी तरफ छोटे-छोटे कदमों से बढ़ना शुरू करें।

डाउनसाइजिंग का अपना ही अपसाइड भी होता है!

कुछ साल पहले जब मेरी बेटी की शादी होने वाली थी, तो मेरी पत्नी ने मुख्य हॉल में हमारे 28 साल पुराने फर्नीचर को बदलने का फैसला किया। हालांकि मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं था। मैं उस फर्नीचर से दो कारणों से भावनात्मक रूप से जुड़ा था।1. वे किसी यूज-एंड-थ्रो शोरूम से नहीं लाए गए थे कि उनकी लकड़ी टूट गई हो या रंग फीका पड़ गया हो। वे ठोस साग की लकड़ी से बने थे।2. वे हमारे संघर्ष के दिनों की कई यादों को बयां करते थे, जब हमने बहुत सोच-विचार और चर्चाओं के बाद उन्हें एक-एक कर बनवाया था। इसलिए वे अलग दिखाई देते थे। जाहिर है कि वे एक फर्नीचर-सेट की तरह नहीं दिखते थे और इसके बजाय समय-समय पर जुटाई गई चीजों की तरह नजर आते थे।यही मुख्य कारण था कि मेरी पत्नी उन्हें बदलकर एक ही डिजाइन वाला फर्नीचर-सेट चाहती थी। डिजाइनर ने ऑर्डर लिया और चला गया। लेकिन नया फर्नीचर आने तक उसने हमें पूरा हॉल खाली करने का काम सौंप दिया।यह मेरे लिए एक मुश्किल चुनौती थी। सौभाग्य से, हम एक ऐसी स्त्री को जानते थे जो अपने करियर में संघर्ष कर रही थीं और मुंबई शिफ्ट होने जा रही थीं। उनका तलाक हो चुका था और वे आर्थिक रूप से इतनी मजबूत नहीं थीं कि अपने घर को उसी स्तर पर फिर से बना सकें, जैसे घर में उनके वैवाहिक जीवन के दौरान वे और उनके दो बच्चे रहते थे।एक मामूली नौकरी के साथ बच्चों को वह सुविधा देना उनके लिए कठिन था। हमने अपना फर्नीचर बदलने का फैसला करने से पहले ही उनसे यह वादा कर दिया था कि हम सेटल होने में उनकी मदद करेंगे। उनके सेटल-डाउन होने के लगभग दो सालों के दौरान उन्होंने हमसे कुछ सामान लिया, लेकिन सभी नहीं, क्योंकि उनका घर बहुत छोटा था। लेकिन उन्होंने हमें सुझाया कि हमें इसके लिए सही लोगों की तलाश करनी चाहिए, जो ऐसी चीजों को बहुत पसंद करेंगे- रसोई के मिक्सर से लेकर छत के पंखों और डाइनिंग टेबल से लेकर सोफा सेट तक।मेरा यकीन कीजिए, हर बार जब मैं उन अलग-अलग विनम्र लोगों के पास जाकर उनसे कुछ साझा करता था, तो मेरा मामूली घर मुझे महल की तरह लगते लगता था। मेरी लिखने की मेज पाने वाले प्राप्तकर्ता ने कहा, मैं अपने पिता के लिए ऐसी ही मेज खरीदना चाहता था ताकि वे बैठकर अपना सुबह का अखबार पढ़ सकें।अपने बूढ़े घुटनों के चलते वे फर्श पर बैठकर नहीं पढ़ पाते हैं। मेरी आंखों में एक मिनट के लिए तब आंसू आ गए, जब मैंने उन बुजुर्ग व्यक्ति की आंखों में देखा। मेज पर बैठकर वे उतने ही रोमांचित थे, जैसे कोई बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने को पाकर होता है।एक और आंटी थीं, जिन्हें नहीं पता था कि एक किचन-मैट उनके दुखते पैरों को आराम दे सकता है। वे नियमित रूप से तस्वीरें भेजती थीं कि कैसे वे खड़े रहकर खाना पकाती हैं और उन्हें ऐसे व्यंजन बनाना पड़ता है, जिनके लिए घंटों खड़े रहकर समय देना पड़ता है।एक दिलचस्प घटना तब हुई, जब एक मां ने हमें दिल से धन्यवाद दिया। उनका बेटा पढ़ाई में कम दिलचस्पी रखता था, लेकिन मेरी बेटी की स्टडी टेबल का इस्तेमाल करने के बाद वह पढ़ाई को लेकर गंभीर हो गया और उसने अच्छे अंक प्राप्त किए। मुझे नहीं पता था कि एक साधारण-सी स्टडी टेबल भी किसी में पढ़ने की रुचि पैदा कर सकती थी।उन अनुभवों ने हमें अपने घर में ऐसे और भी खजानों को ढूंढने पर मजबूर कर दिया, और जो कुछ भी हमने पाया उसे आखिरकार अपना नया घर मिल गया। जूते के स्टैंड से लेकर बगीचे की कुर्सियों तक, कुछ भी कबाड़ में नहीं गया।उन सभी के उपयोग के साल लंबे खिंच गए। जब प्राप्तकर्ता आज भी वॉट्सएप पर उन चीजों की तस्वीरें साझा करते हैं, तो मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरे पास जो सामान था, वह दूसरों को खुशी दे रहा है।फंडा यह है कि जब आप अपना कई बार इस्तेमाल किया हुआ और कभी-कभी अपेक्षाकृत नया सामान भी किसी को देते हैं, तो वे बदले में लौटकर आपको कुछ अच्छी यादें और बेहतरीन कहानियां देते हैं। और इसलिए मुझे लगता है कि डाउनसाइजिंग में भी अपसाइड होने की कहानी निहित होती है, जिसमें किसी पर ध्यान दिया जाता है और उनके साथ बेहतर व्यवहार किया जाता है। आपका क्या कहना है?

फायदा कमाने के लिए मिर्ची तो लगानी ही होगी!

आपने कुली नं.1 फिल्म का ये गाना सुना होगा, 'तुझको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं। यह शायद कैज़ुअल डाइनिंग रेस्टोरेंट 'चिलीज़' (मिर्ची) के चीफ एग्जीक्यूटिव केविन होचमैन का पसंदीदा गाना होगा क्योंकि जब पूरा अमेरिका, सोशल मीडिया पर फास्ट-फूड महंगा होने की शिकायत कर रहा था, तब केविन को अवसर नजर आया।उन्होंने तुरंत चिलीज़ बर्गर की तुलना मैक्डॉनल्ड से शुरू कर दी, जो इस कैटगरी में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। उन्होंने दो अलग काम किए। कोई छोटी कंपनी, पैसे वाली बड़ी कंपनी से पंगा नहीं लेती लेकिन केविन ने ऐसा किया। दूसरी बात, ऐसा रेस्टोरेंट जहां बैठकर खाना खाते हैं, वह मैक्डॉनल्ड जैसे रेस्टोरेंट से तुलना नहीं करता, जो खाना पैक कराकर ले जाने (टेक-अवे) का विकल्प देता है।उनकी कंपनी ने विज्ञापन में कहा, 'कॉम्बो मील की कीमत में, बिग मैक जैसा बर्गर पाएं, लेकिन टेबल पर, वह भी अनलिमिटेड चिप्स और सोडा के साथ'। यह विज्ञापन कारगर साबित हुआ। इसमें कहा गया, 'क्वार्टर पाउंडर से 85प्रतिशत ज्यादा बड़ी पैटी, चीज़ के साथ, सिर्फ डॉ10.99 में।' इसमें इशारा मैक्डॉनल्ड के एक सिग्नेचर बर्गर की ओर था।पिछले सितंबर, चिलीज़ का एक लाइन का विज्ञापन काफ़ी चर्चा में रहा, 'हमारा बर्गर खाएं या ड्राइव-थ्रू में मिलने वाले किसी बर्गर से संतोष कर लें।' इन विज्ञापनों ने लोगों को चिलीज़ रेस्टोरेंट में बार-बार जाने के लिए प्रेरित किया और उसकी बिक्री 15प्रतिशत बढ़ गई। चिलीज़ की पैरेंट कंपनी के शेयर की कीमतें भी तीन गुना हो गईं।वैश्विक स्तर पर, ग्राहक और फूड कंपनियां, दोनों महंगाई से परेशान हैं। लेकिन चिलीज़ ने महंगाई को मार्केटिंग में बदल दिया। दिलचस्प है कि चिलीज़ ने कभी अपने उत्पाद, प्रतिस्पर्धी से कम कीमत पर नहीं बेचे। बल्कि यह संदेश दिया कि आपका फास्ट फूड बर्गर पहले ही महंगा है, तो क्यों न उसे अच्छी जगह खाएं और साथ में ज्यादा चीजें पाएं। बचत प्रेमियों को यह बात पसंद आई क्योंकि थोड़ी ज्यादा कीमत देने पर, बहुत कुछ मिल रहा था।चिलीज़ अपने कर्मचारियों को 'चिली हेड्स' कहता है। उनका मोटो है, 'अपनी नौकरी को गंभीरता से लें, खुद को नहीं।' मैनेजमेंट स्टडी में मैंने इस कंपनी के बारे में जाना, जो शादी और मैरिज एनिवर्सरी के बजाय वर्क एनिवर्सरी धूमधाम से मनाते हैं। कर्मचारी 'चिलीज़ क्लब' के आजीवन सदस्य भी बनते हैं। कंपनी के 1200 आउटलेट में 72000 कर्मचारी हैं। ये सुनिश्चित करते हैं कि पूरे अमेरिका में चिलीज़ का स्वाद और गुणवत्ता एक जैसी रहे। दो टीनएजर के पिता केविन, कैज़ुअल कपड़ों में अपने किसी भी रेस्टोरेंट में पहुंच जाते हैं और वहीं खाते हैं। वे यहां दोस्तों को पार्टियां देते हैं, जिससे ग्राहक और मैनेजर का फीडबैक मिल जाता है। जब कंपनी का शीर्ष व्यक्ति, देश में कहीं भी कंपनी में पहुंचता है, जो इससे गंभीर वर्ककल्चर बनता है और बेहतर नतीजे मिलते हैं।कैलोरी घटाने के लिए, केविन रोजाना पांच किमी दौड़ते हैं। वे दोस्तों से कहते हैं, 'मैं खाने के लिए दौड़ता हूं।' हैरानी नहीं कि केविन ने पिज्जा हट, टाको बेल, यम ब्रांड्स, पेप्सिको और सेवन-इलेवन जैसी बड़ी फूड चेन के अधिकारियों को आकर्षित किया है।मार्केट रिसर्च फर्म का अनुमान है कि महंगाई के कारण रेस्टोरेंटों में भीड़ 3.3प्रतिशत घटेगी। यही फर्म मानती हैं कि चिलीज़ के स्टोर की बिक्री इस तिमाही में 26प्रतिशत बढ़ेगी और सालभर स्थिर रहेगी, जब तक कीमतें न बदलें।फंडा यह है कि अगर बतौर कंपनी आप ज्यादा लाभ कमाना और कुछ अलग करना चाहते हैं, तो आपको पंगा लेना ही होगा, जिससे प्रतिस्पर्धी को थोड़ी मिर्ची लग सके।

अपने बच्चों को संकट से निपटना सिखाएं

आज के दौर में 'अर्श से फर्श' तक पहुंचने वाले कई कारोबारी साम्राज्य उन लोगों ने खड़े किए हैं, जिन्होंने जमीन पर उतरकर कड़ी

मेहनत की है। लेकिन, उनकी अगली पीढ़ी एक ऐसे दौर में पली-बढ़ी है जहां सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं रही। उन्होंने कभी किसी बड़े आर्थिक संकट का कड़वा स्वाद नहीं चखा। यही कारण है कि संपत्ति बनाने वाली पीढ़ी और उसे विरासत में पाने वाली पीढ़ी के बीच सोच की बड़ी खाई पैदा हो गई है। पिछले नौ दिनों से खाड़ी देशों और मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध ने उन माता-पिता की नींद उड़ा दी है, जिन्होंने शून्य से कारोबार खड़ा किया। जहां वे संपत्ति और गिरते वैल्युएशन को लेकर रात भर जाग रहे हैं, वहीं उनके बच्चे बेफिक्र नजर आते हैं। यह बेफिक्री किसी बहादुरी का नतीजा नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत और संकटों के अनुभव की कमी है। आज कई बड़े कारोबारी माता-पिता ठीक वैसी ही स्थिति में हैं, जैसी 2008 के वैश्विक संकट के दौरान 'लेहमैन ब्रदर्स' की थी। याद कीजिए, बैलेंस शीट पर भारी-भरकम संपत्ति होने के बावजूद वह कंपनी दिवालिया हो गई थी। कारण? जब संकट आया और वे अपनी संपत्तियों को बेचने बाजार निकले, तो उन्हें वो कीमत नहीं मिली जो कागजों पर दर्ज थी। रातोंरात वे कीमती संपत्तियां 'कबाड़' बन गईं, जिनका कोई खरीदार नहीं बचा था। 2008 के संकट के दौरान गोल्डमैन सैक्स का नेतृत्व करने वाले लॉयड ब्लैंकफीन भी इसी बात का समर्थन करते हैं। 71 वर्षीय ब्लैंकफीन का उन चिंतित पिताओं को मशविरा है जो आने वाले आर्थिक संकट से डरे हुए हैं, 'संपत्तियों को लंबे समय तक दबाकर रखा था, बाजार में उतनी कीमत नहीं रह गई।' आज दुनिया के सामने 'स्टैगफ्लेशन' का खतरा मंडरा रहा है। आसान शब्दों में कहें तो आर्थिक विकास की रफ्तार थम जाना, पर महंगाई बढ़ते रहना। ऐसे में बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि वे 'स्थायित्व के भ्रम' में न जिएं, बल्कि दुनिया में बदल रहे भू-राजनैतिक समीकरणों के आधार पर अपनी रणनीति बनाएं। मैनेजमेंट टिप: अपने

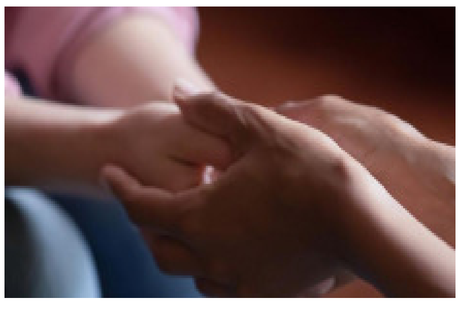

बैठने के बजाय, सही समय पर उन्हें बेच देने में ही समझदारी है। मैं यह नहीं कह रहा कि संकट कल ही आ जाएगा, लेकिन जब युद्ध जैसे हालात बनते हैं, तो आप पाएंगे कि जिन संपत्तियों को आपने ऊंची कीमतों पर बच्चों को 'संकट के लिए तैयार' रहना सिखाएं। बदलते दौर में अपनी योजनाओं को लचीला और मजबूत रखने का यही एकमात्र तरीका है। बच्चों को उस दुनिया के लिए तैयार न करें जो अब अस्तित्व में ही नहीं है।

इंफ्लुएंसर-संस्कृति अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है

हम स्क्रॉल करते हैं, लाइक करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी एल्गोरिदम हमें कुछ ऐसा दिखा देता है, जो हमें रोक देता है- जैसे कि मीशा अग्रवाल की आत्महत्या की खबर, या बाबिल खान का इंस्टाग्राम पर लाइव आकर विलाप करना। और बस, इंफ्लुएंसर-जीवन का चमकदार आवरण उतर जाता है, पता चल जाता है कि यह क्या है : एक सुनहरा पिंजरा।मीशा अग्रवाल वो सब थीं, जिसका इंफ्लुएंसर-इकोनॉमी जश्न मनाती है- युवा, स्टाइलिश, बड़ी फॉलोइंग और उनके नाम से जुड़ा एक फैशन-लेबल। उनका कंटेंट अच्छा था, उनकी पोस्ट के कैप्शंस क्यूरेटेड होते थे और उनका पहनावा उनकी आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता था। और इस सबके बावजूद, उसके पीछे एक महिला एक ऐसे अंधेरे से जूझ रही थी, जिसे हम देखने में नाकाम रहे थे- या जिसे हमने देखना नहीं चाहा। भला कौन डिप्रेशन पर डबल-टैप करना चाहेगा?फिर आए बाबिल खान, जो इरफान के बेटे हैं, एक सेलेब्रिटी-विरासत के अनिच्छुक उत्तराधिकारी हैं। वे लाइवस्ट्रीम पर रो पड़े। जरूरत से ज्यादा निगरानी के दबाव से टूट गए। हर समय 'ऑन' रहने का दबाव, एक क्लिकेबल-हेडलाइन तक सीमित हो जाने की मायूसी।उन्होंने कहा, 'मुझे अब बिलकुल नहीं पता कि मैं कौन हूं।' और वे भला कैसे जान सकते थे? एक ऐसी दुनिया में, जहां लाइक्स से ही पहचान को मान्यता मिलती है और ऑनलाइन चुप्पी को विफलता के रूप में देखा जाता है, वहां अपने जैसा होने का हाशिया ही कहां है?दो युवा जिंदगियां। और एक कठोर सत्य : इंफ्लुएंसर-संस्कृति चुपचाप अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है। लेकिन सच कहें तो यह हम सभी की कहानी है।हम ऐसी पीढ़ी हैं, जो धारणाओं की बंधक बन चुकी है। आज पहचानें बनाई नहीं जातीं- ब्रांड की जाती हैं। आप अपना जीवन जी नहीं रहे होते, आप इसे लाइव-स्ट्रीम कर रहे होते हैं। और अगर आपकी इंगेजमेंट घटती है तो आपकी कीमत भी कम हो जाती है। चौबीसों घंटे उत्साहित, सुंदर और सफल दिखने का दबाव न केवल थका देने वाला है- यह अमानवीय भी है।यह एक परेशान करने वाला एहसास है कि हर चीज के प्रदर्शन के इस युग में, आपकी कीमत इंगेजमेंट-मीट्रिक में मापी जाती है। लाइक्स जीवन-रेखा बन जाते हैं। रील वास्तविकता बन जाती है। और अगर आप लॉग-ऑफ करके स्क्रीन से गायब हो जाते हैं, तो जैसे आपका कोई अस्तित्व ही नहीं रह जाता।इससे भी बुरी बात यह कि आज हमारी कमजोरियां भी नुमाइश का सामान हो गई हैं। रोएं, लेकिन सौंदर्यपूर्ण तरीके से। सच बोलें, लेकिन ऐसे कि इससे आपको ब्रांड-डील्स का नुकसान हो। शेयर करें, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं- कहीं ऐसा न हो कि ट्रोल आपके पीछे पड़ जाएं।हालत यह है कि आज हम प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी मानसिक-शांति

सिंधु जल समझौते के पांच जरूरी पहलुओं को समझें

भारत द्वारा सिंधु जल समझौते पर रोक को पाकिस्तान ने युद्ध की शुरुआत माना है। इस पर पाकिस्तान के कानून मंत्री अकील मलिक भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों में चार तरह से मामले को उठाने का प्रयास कर रहे हैं- अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता, वियना संधि 1969 के उल्लंघन पर हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, विश्व बैंक, टा ू एना सुरक्षा परिषद।सिंधु घाटी सभ्यता की सांस्कृतिक धरोहर को नकारने वाला पाकिस्तान संधि के दुरुपयोग से सिंधु और अन्य नदियों के पानी का बेशर्मी से इस्तेमाल करता आ रहा है। पहलगाम में आतंकी हमले के तार पाकिस्तानी सेना और आईएसआई से जुड़े हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष बहुत मजबूत है।जल मंत्रालय की संसदीय समिति की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार भारत सिंधु समझौते से एकतरफा तौर पर अलग नहीं हो सकता (अध्याय 11, परिच्छेद 11.2) पाकिस्तान इस रिपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय मंचों में दुरुपयोग नहीं करे, इस बारे में सतर्कता बरतने की जरूरत है। नदी समझौतों से जुड़े मामलों के लिए इन 5 पहलुओं पर बेहतर समझ बनाने की जरूरत है1. चीन : चीन, पाकिस्तान और भूटान के साथ हुई संधियों के तहत भारत में 20 हजार मेगावॉट के पॉवर प्रोजेक्ट्स की सम्भावना है। संसदीय समिति के अनुसार भारत में सिर्फ 3482 मेगावॉट प्रोजेक्ट्स का निर्माण हुआ है। सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है, जहां पर चीन ने साम्राज्यवादी तरीके से कब्जा कर रखा है।वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करके ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट भी बना रहा है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों में पाकिस्तान का अनैतिक समर्थन करने के कारण चीन को भी सच का आईना दिखाने की जरूरत है।2. संविधान : संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत अंतरराज्यीय नदियों और पड़ोसी राज्यों के साथ संधि के विषय केंद्र के अधीन हैं। लेकिन नदी और पानी का मामला राज्य सरकारों के अधीन आता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में नदियों को जोड़ने (आईएलआर) वाले फैसले में केंद्र को निर्देश दिया था। पानी को संविधान की समवर्ती सूची में लाने के लिए आईएलआर समिति के सामने मैंने विस्तृत नोट दिया था, लेकिन उसके अनुसार संविधान संशोधन नहीं हुआ है।3. जल संकट : पंजाब ने भाखड़ा बांध से जाने वाले 5 हजार क्यूसेक पानी की आपूर्ति को रोक दिया है, जिसकी वजह से हरियाणा में जल संकट बढ़ गया है। सिंधु समझौते में पूर्वी क्षेत्र की 3 नदियों सतलज, व्यास और रावी नदी पर सम्पूर्ण अधिकार होने के बावजूद पानी का पूरा इस्तेमाल नहीं होने पर संसदीय समिति ने 2021 की रिपोर्ट में रोष व्यक्त किया था।पश्चिम की सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से कृषि और जल ऊर्जा के साथ भारत 36 लाख एकड़ फीट पानी के भंडारण का ढांचा बना सकता है। इन तीन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय भारत में सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है। इस वजह से उत्तर भारत के राज्यों में खेती के नुकसान पर समिति ने चिंता जताई थी।4. बाढ़ : राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 1953 से 2018 के बीच बाढ़ से 4 करोड़ हेक्टेयर खेतिहर भूमि, 4 लाख करोड़ की संपदा के नुकसान के साथ 1 लाख इंसानों और 6 लाख जानवरों की जान गई है। पूरे देश में आपदा लाने वाली बाढ़ के

विषय का केंद्र, राज्य या समवर्ती सूची कहीं भी आवंटन नहीं हुआ है। ड्रेनेज और तटबंधों का विषय राज्यों के अधीन है, जिसके अनुसार राज्य सरकारें सीमित कार्रवाई कर रही हैं। संसदीय समिति की स्पष्ट सिफारिशों के बावजूद अभी तक संसद से बांध सुरक्षा बिल और रिवर बेसिन मैनेजमेंट बिल पारित नहीं हुआ है।5. बांग्लादेश : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेश जा रहे पानी को रोकने की मांग की है। जनता पार्टी सरकार में प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और फिर प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने गंगा जल बंटवारे की संधि पर बांग्लादेश के साथ जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। सिंधु संधि के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की राज्य सरकार और बांग्लादेश के साथ जल संधि का ममता बनर्जी सरकार विरोध कर रही हैं।ममता के अनुसार बांग्लादेश के साथ गंगा, तीस्ता और फरक्का बांध संधियों में भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल की सहमति नहीं ली। 30 साल की संधि दिसम्बर 2026 में खत्म हो रही है। कोलकाता बंदरगाह में पानी की गहराई और पश्चिम बंगाल में जल संकट से निपटने के लिए संधि के नवीनीकरण में सरकार को बांग्लादेश के साथ सख्त रवैया अपनाना होगा।सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से भारत 36 लाख एकड़ फीट भंडारण का ढांचा बना सकता है। लेकिन इन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

जो भी सच्चा है, धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे...

पूरा संसार चौंका हुआ है कि पाकिस्तान जैसे देश में आतंकी ठिकानों की जानकारी भारत को कैसे मिली? पाकिस्तान भी वर्षों तक ढूंढेगा कि ये सूचना कैसे बाहर गई? पाकिस्तानी तो शायद नहीं जानते होंगे इस नाम को, पर भारतीय दृष्टि से कहा जाए तो- कौन था विभीषण? भारतीय लोग विभीषण ढूंढने में बड़े माहिर हैं। विभीषण की खोज हनुमान जी ने की थी, लेकिन विभीषण प्रिय राम जी के थे। विभीषण का नाम आते ही लोग किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करते हैं, जिसने इधर की उधर लगा दी, रहस्य खोल दिया। लेकिन यदि विभीषण आलोचना का व्यक्तित्व होता तो राम उनको इतना सम्मान नहीं देते। राम का कहना था विभीषण की सबसे बड़ी अच्छाई थी कि उन्होंने बुराई का विरोध किया था। उनके मन में लंका का राज प्राप्त करने की कोई आकांक्षा नहीं थी, न ही लोभ था। उनका शुद्ध इरादा था सत्य के साथ, धर्म के साथ खड़े रहने का। हमारा देश विभीषण का सदैव सम्मान करेगा, क्योंकि राम ने उनको चाहा है। जो भी सच्चा है, जो भी धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे। और अधर्म का विरोध, किसी भी स्तर पर जाकर किया जाएगा।

काम का मतलब समर्पण है, 'चलता है' नहीं

इसी साल मार्च की बात है। एक व्यक्ति एटीएम से पैसे निकाल रहा था, तभी दूसरा व्यक्ति अंदर गया और उससे पांच हजार रुपए छीनकर भाग गया। पीड़ित ने उसका पीछा किया। 74 वर्षीय अनुराधा कुलकर्णी वहीं ट्रैफिक संभाल रही थीं और उन्होंने यह सब देखा।उन्होंने तुरंत अपनी बाइक स्टार्ट की, पीड़ित को लिफ्ट दी और चोर का पीछा करते हुए देखा कि वह टाटा कॉलोनी नामक एक रिहायशी इलाके में घुस रहा है। उनके तेज दिमाग को पता था कि कॉलोनी का केवल एक ही एग्जिट पॉइंट है, इसलिए उन्होंने पुलिस को सूचित कर गेट पर पीड़ित के साथ इंतजार किया।एक घंटे बाद, आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पैसे बरामद कर लिए। दो महीने पहले एक व्यक्ति सड़क पार करते समय ट्रक से कुचलकर मारा गया। सड़क के बीचों-बीच खड़ी हुई अनुराधा ने देखा कि पीड़ित की चप्पल डिवाइडर में फंस गई थी, जिससे वह चलते ट्रक के सामने गिर गया था।

गुस्साए स्थानीय लोग ट्रक ड्राइवर पर हमला करने लगे। अनुराधा ने तुरंत एक्शन लिया और गवाही दी कि यह ड्राइवर की गलती नहीं थी। वह इस चल रहे मामले में मुख्य गवाह हैं। लगभग छह महीने पहले एक सोसाइटी के चौकीदार का मोबाइल फोन चोरी हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्थानीय पुलिस ने अनुराधा से आरोपी की पहचान करने में मदद मांगी।उन्होंने तीन दिनों में मोबाइल चुराने वाले सफाईकर्मी की पहचान की, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मोबाइल फोन बरामद कर लिया। आप सोच रहे होंगे कि यह 74 वर्षीय महिला हमेशा सड़क के बीच में क्या करती रहती हैं? हर दिन वह बाइक पर घूमती हैं, जहां भी ट्रैफिक नजर आता है, वहां उतरकर ट्रैफिक संभालती हैं, एंबुलेंस को तेजी से जाने में मदद करती हैं और स्कूली बच्चों को सड़क पार कराती हैं।

लगभग 30 साल पहले की बात है, एक बार उन्होंने देखा कि मुंबई में सांताक्रूज में एक स्कूल के पास लोग गलत लेन में आ रहे थे, तभी उन्होंने अकेले ही लोगों को वहां से आने से रोक दिया था। एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें ऐसा करते देखा और उन्हें ट्रैफिक वार्डन के रूप में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने मुंबई के बायकला में ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में अपनी ट्रेनिंग के बाद लिखित और मौखिक परीक्षा पास की। तब से, वह मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय इलाके जुहू-विले पार्ले-सांताक्रूज में स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। उनके एक फोन कॉल पर पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुट जाती है क्योंकि वह केवल तभी कॉल करती हैं जब वह स्थिति को संभाल नहीं पातीं, चाहे वह ट्रैफिक की समस्या हो या कोई असामाजिक गतिविधि।

साल 2014 में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने उनके उत्कृष्ट काम के लिए उन्हें सम्मानित किया था और उन्होंने कोविड के दौरान कोरोना पॉजिटिव लोगों को भोजन पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह इन उपनगरों में सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं क्योंकि ट्रैफिक जाम होने पर किसी को उन्हें बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती। वह खुद पहुंच जाती हैं और ट्रैफिक वार्डन का काम करती हैं।ट्रैफिक सुचारू होने के बाद, वह अपनी बाइक लेती हैं और अगले स्थान पर चली जाती हैं, जहां उनकी जरूरत होती है। ठेले वाले से लेकर दुकानदार तक, वहां के सभी लोकल लोग इस शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता है। बैंक में काम करने वाले उनके पति का बहुत पहले निधन हो चुका है और उनकी सास ने उन्हें एक घर दिया है, जिसके किराए से और समय-समय पर रिश्तेदारों की मदद से उनकी जरूरतें पूरी होती रहती हैं। इसलिए वह मुंबई ट्रैफिक पुलिस के लिए फ्री में काम करते हुए अपना सारा समय बिताती हैं।फंडा यह है कि जो लोग किसी भी काम के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं, फिर चाहे वह स्वप्रेरणा से हो या उसके एवज में कोई पैसा मिले, ऐसे लोगों को हमेशा पहचान और सराहना मिलती है। इसलिए कहीं भी काम करें, काम के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता को सबसे ऊपर रखें क्योंकि इससे आपको पैसा मिलता है या प्रशंसा और ज्यादातर मामलों में तो दोनों।

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा,चर्चा की मांग; सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नयी दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया। वहीं, आज विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन

भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है। 5 बड़ी बातें-

मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं, और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं। हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें। वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। 8 मार्च तक हमारे लगभग 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके हैं। संबंधित मंत्रालय जवाब देने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। लड़ाई लगातार बढ़ रही है। इलाके में सुरक्षा की स्थिति काफी खराब हो गई है। असल में, लड़ाई दूसरे देशों में भी फैल गई है। इससे तबाही और मौतें बढ़ रही हैं। इजराइल-यूएस और ईरान के बीच लड़ाई जारी है, बल्कि कुछ खाड़ी देशों पर हमले भी हुए हैं। ईरान में लीडरशिप लेवल पर कई लोग मारे गए हैं, साथ ही इस इलाके में इंफ्रास्ट्रक्चर भी तबाह हुआ है। इस समय लीडरशिप लेवल पर ईरान के साथ कॉन्टैक्ट करना साफ तौर पर मुश्किल है। ईरान के विदेश मंत्री ने

ईरानी वॉरशिप लावन को कोच्चि पोर्ट पर डॉक करने की इजाजत देने के भारत का शुक्रिया अदा किया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- राहुल गांधी विपक्ष के ऐसे नेता हैं जिनके बारे में अगर मैं कुछ हिंदी शब्दों का इस्तेमाल करूंगा, तो वे बिहार में इस्तेमाल होने वाली भाषा में बहुत अपमानजनक लगेंगे और मैं उस लेवल पर नहीं जाना चाहता। बिहार में 'विशेषर का डांस' नाम का एक मशहूर परफॉर्मेंस होता था और वह उसी के एक कैरेक्टर जैसे हैं। जो लोग बिहार और उसके एक्सप्रेशन को समझते हैं, वे समझ जाएंगे कि मेरा क्या मतलब है, लेकिन मैं ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहता।केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा- विपक्ष से सदन में इस तरह के व्यवहार की उम्मीद कभी नहीं थी। सदन को चलने नहीं देना जनता के अधिकारों को छीनने जैसा है। आप 'अबोध बालक' हैं और आप ऐसे ही रह सकते हैं। सदन में प्लेकार्ड दिखाने का मतलब है कि आपको जवाब नहीं चाहिए, बल्कि आप सिर्फ हंगामा करना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- यह बहुत बुरा है कि कांग्रेस बहस से भाग रही है। स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन के लिए कांग्रेस के कहने पर एक नोटिस एडमिट किया गया था, जिसे उन्होंने ठीक से ड्राफ्ट भी नहीं किया था। इसे ठीक किया गया और फिर एडमिट किया गया। आज की तारीख डिस्कशन के लिए सोच-विचार के बाद तय की गई थी। जब एक मोशन एडमिट हो गया और यह तय हो गया कि आज इस पर डिबेट होगी, तो वे उसी समय दूसरा मोशन ले आए। गोयल ने कहा कि कांग्रेस को पार्लियामेंट्री प्रोसेस या प्रोसीजर समझ नहीं आता, न ही वे कॉन्स्टिट्यूशन की रिस्पेक्ट करते हैं। जब से राहुल गांधी लीडर ऑफ अपोजिशन बने हैं, उन्होंने डिबेट में हिस्सा लेने की कोई इच्छा नहीं दिखाई है। उन्होंने पहले ही मुद्दों की एक लिस्ट बना ली है, प्लेकार्ड लाए हैं, हाउस को डिस्टर्ब किया है और बेबुनियाद मामलों पर पार्लियामेंट का समय बर्बाद किया है। उन्होंने कहा कि जिस दिन इतने जरूरी मुद्दे पर डिस्कशन होना था, विपक्ष ने डिबेट से भागने का फैसला किया, क्योंकि वे साफ तौर पर जानते हैं कि स्पीकर को पूरे हाउस का कॉन्फिडेंस है। यहां तक ??कि उनके अपने अलायंस के मेंबर भी इस डिबेट से बच रहे हैं। इंडि अलायंस के अंदर अफरा-तफरी है और कोई भी कांग्रेस को सपोर्ट करने को तैयार नहीं है। इसीलिए वे एक और मोशन लाकर आज की बहस से भागने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी विपक्ष के एक फेल लीडर हैं। उन्हें संविधान या नैतिकता की समझ नहीं है। उन्हें पार्लियामेंट्री प्रोसेस, प्रोसीजर या रूल बुक में कोई दिलचस्पी नहीं है। जिस तरह से वे काम करते हैं, उससे साफ पता चलता है कि कांग्रेस एक दिशाहीन और पूरी तरह से फेल विपक्षी पार्टी है।लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा- आज की काम की लिस्ट में साफ लिखा है कि हम इस पर चर्चा करेंगे। विपक्ष को प्रस्ताव लाना है। क्या प्रोसेस है? जब प्रस्ताव लाया जाता है, तो उसके सपोर्ट में 50 लोग खड़े होने चाहिए, आज जब चेयर पर बैठे जगदंबिका पाल ने बार-बार कहा कि अगर आप प्रस्ताव लाना चाहते हैं, तो मैं चर्चा की इजाजत देता हूं। जब स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन एजेंडा में है, तो आप बीच में दूसरा प्रस्ताव, दूसरा एडजर्नमेंट मोशन कैसे ला सकते हैं? कोई नियम है या नहीं? क्या कोई संविधान नहीं है? अगर हमें राहुल गांधी के कहे अनुसार सदन चलाना है, तो नियम क्यों होना चाहिए? यह कैसी थ्योरी है कि ये लोग पहले मांग करते हैं और बाद में रुकावट डालते हैं? जब मैं पार्लियामेंट अफेयर्स मिनिस्टर था तो ऐसा कई बार होता था, उनका मानना ??है कि वे जो कहते हैं वही नियम है। जिस भी चीज पर चर्चा होनी है, वह पहले ॅण में तय होनी चाहिए। एलजेपी सांसद शांभवी चौधरी ने कहा- जिस जियोपॉलिटिकल सिचुएशन पर विदेश मंत्री पहले ही बयान दे चुके थे, उस पर हंगामा करना विपक्ष का गैर-जिम्मेदाराना बर्ताव दिखाता है। वे उसी मुद्दे पर उनका बयान सुनने को भी तैयार नहीं थे जिस पर वे चर्चा की मांग कर रहे थे।

ईरान जंग से सेंसेक्स 1800 अंक गिरकर 77,200 पर,रुपया 92.28 के ऑलटाइम लो पर पहुंचा; कच्चा तेल 10 दिन में 60फीसदी चढ़ा

लेकिन युद्ध की वजह से बाजार में भारी बिकवाली के

कारण 9 मार्च तक यह घटकर रु4.38 लाख करोड़ पर आ गया है। कच्चा तेल 10 दिन में 60फीसदी चढ़ा- ब्रेंट क्रूड आज 25फीसदी से ज्यादा चढ़कर 116 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। 28 फरवरी को शुरू हुई जंग के बाद से अब तक 10 दिन में कच्चा तेल करीब 60फीसदी महंगा हो चुका है। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन जंग के दौरान ये 100 डॉलर के पार निकला था। जानकारों का मानना है कि तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। ये 5 से 6 रुपए लीटर तक महंगा हो सकता है। हालांकि भारत सरकार का कहना है कि हमारे पास पर्याप्त तेल है।अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 46 पैसे कमजोर होकर 92.28 के स्तर पर पहुंच गया है। यह रुपए का अब तक का सबसे निचला स्तर है। मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालात के बीच कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी की वजह से रुपए में यह कमजोरी आई है।सोने और चांदी के दामों में आज यानी 9 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 800 रुपए बढ़कर 1.60 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी 2000 रुपए बढ़कर 2.63 लाख रुपए पर पहुंच गई है। एशियाई बाजारों में गिरावट-साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 7फीसदी चढ़कर 5,166 पर कारोबार कर रहा। जापान का निक्केई 3,880 अंक या 7फीसदी चढ़कर 51,740 पर कारोबार कर रहा। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 676 अंक या 3फीसदी चढ़कर 25,081 पर कारोबार कर रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 47 अंक या 1फीसदी ऊपर 4,075 पर कारोबार कर रहा। अमेरिकी बाजार में 6 मार्च को गिरावट रही-डाउ जोन्स 453 अंक (0.95फीसदी) गिरकर 47,501 के स्तर पर बंद हुआ। टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 1.59फीसदी गिरकर 22,387 पर बंद हुआ। एस एंड पी 500 इंडेक्स 90 अंक (1.33फीसदी) गिरकर 6,740 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 1097 पॉइंट गिरकर बंद हुआ था- इससे पहले शुक्रवार यानी 6 मार्च को सेंसेक्स 1097 अंक (1.37फीसदी) गिरकर 78,919 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 315 अंक (1.27फीसदी) की गिरावट रही थी। ये 24,450 पर आ गया।

ईरान बोला- मजबूरी में जंग लड़ रहे,तुर्किये-साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से इनकार किया

तेहरान। ईरान ने कहा है कि वह मजबूरी में जंग लड़ रहा है, यह उसकी पसंद नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि जंग देश पर जबरन थोपी गई है। जब उनसे

सीजफायर के लिए मध्यस्थता की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल इस तरह की बात करना गलत होगा। बघाई ने कहा कि इस समय सैन्य टकराव जारी है और ऐसे में देश की रक्षा के अलावा किसी दूसरे विषय पर चर्चा करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान ने इस जंग की शुरुआत नहीं की थी। उनके अनुसार देश को अपनी रक्षा के लिए लड़ना पड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने तुर्किये, साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से भी इनकार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह इन देशों की दिशा में ईरान की जमीन से कोई हमला शुरू नहीं किया गया। इस बीच टाइम्स ऑफ इजराइल ने बताया कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। उन्हें बीती रात ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था।ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को US-इजराइल के हमले में मौत हो गई थी। अयातुल्ला 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया था। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला धर्मगुरु की एक पदवी है। ईरान के इस्लामिक कानून के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के लिए अयातुल्ला होना जरूरी है। यानी कि सुप्रीम लीडर का पद सिर्फ एक धार्मिक नेता को ही मिल सकता है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने कुवैत में स्थित अल-अदीरी हेलीकॉप्टर एयरबेस को ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से निशाना बनाया। आईआरजीसी के अनुसार इस हमले में एयरबेस के कई अहम हिस्सों को निशाना बनाया गया, जिनमें ईंधन और गैस टैंक, अमेरिकी हेलीकॉप्टरों के रैंप, लॉजिस्टिक, सपोर्ट सुविधाएं और कमांड से जुड़े ढांचे शामिल थे। संगठन ने दावा किया कि इन हमलों से बेस को भारी नुकसान पहुंचा।ईरानी न्यूजपेपर तेहरान टाइम्स ने आज मिनाब के स्कूल में मारे गए बच्चों की याद में फ्रंट पेज निकाला। इसमें लिखा था- ट्रम्प इनकी आंखों में देखो। 28 फरवरी को जंग की शुरूआत में ईरानी स्कूल पर हुए हमले में 160 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई थी। इजराइल के तेल अवीव में मिसाइल के मलबे गिरने से रविवार को एक भारतीय नागरिक घायल हो गया। उसे गर्दन में छर्रे लगने से चोट आई थी। सूत्रों के अनुसार घायल व्यक्ति को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी छोटी सर्जरी की गई। इलाज के बाद अब उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इजराइल में भारतीय दूतावास लगातार उससे संपर्क में है और उसकी स्थिति पर नजर रखे हुए है।लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि इजराइली हमलों में दो स्वास्थ्य कर्मियों की मौत हो गई और 6 अन्य लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमलों में एम्बुलेंस और राहत टीमों को निशाना बनाया गया।लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने कहा कि लेबनान में सैन्य हमलों के जरिए इजराइल अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगा। रिपोर्ट के अनुसार औन ने कहा कि हम इजराइल के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है, ताकि सुरक्षा से जुड़े जरूरी मुद्दों पर चर्चा कर मौजूदा तनाव और सैन्य कार्रवाई को रोका जा सके। पिछले सप्ताह हिजबुल्लाह के उत्तरी इजराइल पर रॉकेट और ड्रोन हमले के बाद इजराइल ने लेबनान में इस ईरान समर्थित संगठन के ठिकानों पर कई हमले किए हैं। इन हमलों में हिज्बुल्लाह के 200 से अधिक लड़ाकों के मारे जाने की खबर है। औन ने यह भी कहा कि हालात अनुकूल होने पर लेबनानी सेना अवैध हथियारों को जब्त करने की कार्रवाई जारी रखेगी। औन ने कहा कि लेबनान की जनता युद्ध से थक चुकी है और वह चाहती है कि युद्ध और शांति से जुड़े फैसले केवल राज्य के हाथ में हों।संयुक्त राष्ट्र की बाल संस्था यूनिसेफ ने कहा है कि इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण पिछले सात दिनों में लेबनान में 83 बच्चों की मौत हो गई और 254 बच्चे घायल हुए हैं।यूनिसेफ के बयान के अनुसार 2 मार्च से शुरू हुए इस संघर्ष में औसतन हर दिन 10 से अधिक बच्चों की जान जा रही है और करीब 36 बच्चे रोज घायल हो रहे हैं। यूनिसेफ के मुताबिक हाल के संघर्ष के कारण बड़े पैमाने पर लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। करीब 7 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 2 लाख बच्चे शामिल हैं।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि उनकी सरकार ईरान युद्ध के आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ बातचीत कर रही है। लंदन में एक कार्यक्रम के दौरान स्टार्मर ने कहा कि सरकार का काम भविष्य की चुनौतियों को पहले से समझना और दूसरे देशों के साथ मिलकर समाधान तलाशना है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर इस संकट के असर को लोगों और कारोबार पर कम करने के तरीकों पर चर्चा कर रहा है। स्टार्मर ने कहा कि तेल की कीमतों में तेजी आने से आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका असर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था पर और ज्यादा दिखाई दे सकता है।रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई को उनके पद संभालने पर बधाई दी है। यह जानकारी क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में दी गई। पुतिन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि मुजतबा अपने पिता के काम को सम्मान के साथ आगे बढ़ाएंगे और कठिन परिस्थितियों में ईरानी जनता को एकजुट रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि रूस ईरान के साथ अपने संबंधों को जारी रखेगा और तेहरान के प्रति अपना समर्थन और एकजुटता बनाए रखेगा। पुतिन ने अपने संदेश में कहा कि रूस ईरान के साथ खड़ा है।लेबनान की संसद ने देश में होने वाले संसदीय चुनाव दो साल के लिए टाल दिए हैं। ये चुनाव पहले मई में होने थे, लेकिन इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी युद्ध के कारण यह फैसला लिया गया।सोमवार को संसद की बैठक में सांसदों ने चुनाव स्थगित करने का निर्णय लिया। संसद अध्यक्ष की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए चुनाव कार्यक्रम को दो साल आगे बढ़ाया गया है। बैठक में हिजबुल्लाह के संसदीय ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद राद समेत कई सांसद मौजूद थे।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी,जंग के कारण आखिरी मिनट में एयरस्पेस बंद,इथियोपिया बॉर्डर से प्लेन ने यू टर्न लिया

नयी दिल्ली। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक

अधिकारी ने बताया कि फ़्लाइट 6E33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई। जिसके बाद पायलट को बीच रास्ते से लौटने का फैसला लेना पड़ा। यह एयरक्राफ्ट सोमवार सुबह दिल्ली से यूनाइटेड किंगडम के शहर के लिए निकला था। ये 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली-मैनचेस्टर फ़्लाइट थी। लंबे समय का रूट कुछ समय बाद फिर से शुरू हुआ था। नॉर्मल हालात में फ़्लाइट को लगभग 11 घंटे लगते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस Flightradar24 के मुताबिक, नॉर्स की इंडिगो फ्लाइच 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस जा रही है। डेटा से पता चलता है कि वेस्ट एशिया में एक्टिव कॉनिफ्लिक्ट जोन से बचने के लिए बनाए गए रूट के बावजूद, एयरक्राफ्ट लगभग सात घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आया। Flightradar24 के मुताबिक, एयरक्राफ्ट ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए एक अजीब दक्षिणी रूट अपनाया था, और इस इलाके में ईरान-इजराइल के बढ़ते तनाव के बीच मिडिल ईस्ट के ज्यादातर एयरस्पेस को बाइपास कर दिया था। एक बयान में, इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि एयरलाइन को आखिरी समय में एयरस्पेस पाबंदियां लगाए जाने के बाद यह फैसला लेना पड़ा।इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि मिडिल ईस्ट और उसके आस-पास के बदलते हालात की वजह से, हमारी कुछ फ्लाइट्स लंबे रूट ले सकती हैं या उनका रूट बदल सकता है। एयरलाइन ने कहा कि वह अभी अधिकारियों के साथ मिलकर यह तय कर रही है कि यात्रा फिर से शुरू हो सकती है या नहीं। प्रवक्ता ने आगे कहा, हम यात्रा फिर से शुरू करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं।मिडिल ईस्ट में युद्ध तब शुरू हुआ जब अमेरिका और इज़राइल, दो सहयोगी देशों ने 28 फरवरी को ईरान पर मिलकर हमला किया, जिसमें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। तब से ईरान, खाड़ी देशों में इजराइल और यूएस मिलिट्री बेस पर हमला कर रहा है। दोनों सहयोगी देश भी ईरानी ठिकानों पर हमला कर रहे हैं।नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों और एयरलाइंस रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान-इजरायल युद्ध के कारण 28 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक भारत से मिडिल ईस्ट जाने वाली करीब 2500 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स कैंसल हो चुकी हैं।ईरान ईजराइल जंग की वजह से एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में उछाल, डॉलर के मुकाबले गिरता रुपया और मिडिल ईस्ट में जारी तनाव ने एयरलाइंस की प्रॉफिटेबिलिटी यानी मुनाफे पर दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ग्राउंडेड विमानों की संख्या में कमी आने से राहत मिली ह।

दिल्ली शराब नीति केस

हाईकोर्ट का सभी 23 आरोपियों को नोटिस,सीबीआई अफसर के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक,मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई नहीं करने का आदेश

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने 5 पब्लिक इंटरेस्ट

लिटिगेशन/जनहित याचिका फाइल की थीं। इनमें से एक कहा गया था कि प्याज और लहसुन में तामसिक या नेगेटिव एनर्जी होती है या नहीं इसके लिए रिसर्च की मांग की गई थी। इस पर सोमवार को सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया(सीजेआई) सूर्यकांत ने एडवोकेट सचिन गुप्ता को फटकार लगाई। सीजेआई ने पूछा- आधी रात को ये सब पिटीशन ड्राफ्ट करते हो क्या? सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने वकील की पांचों पीआईएल अस्पष्ट, फालतू और बेबुनियाद बताकर खारिज कर दीं। पिटीशनर ने जवाब दिया कि यह एक आम मुद्दा है और दावा किया कि गुजरात में खाने में प्याज के इस्तेमाल को लेकर कथित तौर पर एक तलाक हुआ था। प्याज और लहसुन से संबंधित पिटीशन में जैन समुदाय के खाने-पीने के तरीकों का जिक्र था, जो पारंपरिक रूप से प्याज, लहसुन और जड़ वाली सब्जियों को तामसिक खाना मानते हुए उनसे परहेज करते हैं। सीजेआई ने गुप्ता से पूछा, 'आप जैन समुदाय की भावनाओं को ठेस क्यों पहुँचाना चाहते हैं?बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर पिटीशनर वकील नहीं होता तो हम बहुत ज्यादा फाइन लगाकर इसे खारिज करते। बेंच ने आगे कहा कि याचिका कैजुअल ड्राफ्टिंग और सुप्रीम कोर्ट पर बोझ डालने का एक उदाहरण है। गुप्ता को चेतावनी दी गई कि अगली बार जब आप ऐसी पिटीशन फाइल करेंगे, तो बहुत ज्यादा फाइन लगाएंगे।

भारतीय मूल के युवक ने अमेरिका में नेशनल वॉर मेमोरियल के सामने डांस किया,हो सकते हैं डिपोर्ट

नयी दिल्ली। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के युवक मधु राजू को भारत डिपोर्ट किया जा सकता है। उनका वॉशिंगटन डीसी में 'नेशनल वर्ल्ड वॉर टू मेमोरियल' के सामने डांस करते हुए वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों और पूर्व सैनिक संगठनों ने इसे मेमोरियल का अपमान बताया। उनका कहना है कि ऐसी जगह पर डांस करना ठीक नहीं है। इस मेमोरियल को वर्ल्ड वॉर II में लड़ने वाले लाखों अमेरिकी सैनिकों की याद में बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मधु राजू अमेरिका में नॉन-इमिग्रेंट वीजा पर रह रहे हैं। अगर नियमों का उल्लंघन साबित होता है तो पर कार्रवाई हो सकती है। अमेरिका की नेशनल पार्क सर्विस के नियमों के मुताबिक राष्ट्रीय स्मारकों पर बिना अनुमति इस तरह की एक्टिविटी करना मना है।मधु राजू ने इस मामले पर माफी मांगते हुए कहा कि उनका किसी की भावनाएं आहत करने का इरादा नहीं था। फिलहाल अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारी इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

प्रेग्नेंसी में बढ़ता गॉल ब्लेडर स्टोन का रिस्क,गायनेकोलॉजिस्ट से जानें बचाव के तरीके

जयपुर। गॉल ब्लैडर शरीर का एक छोटा लेकिन बहुत जरूरी ऑर्गन है। ये पित्त को स्टोर करता है और पाचन में मदद करता है। लेकिन महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलाव गॉल ब्लैडर

के काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकते हैं। इसी कारण प्रेग्नेंसी में कुछ महिलाओं में गॉल ब्लैडर स्टोन बनने का खतरा बढ़ जाता है। 'द जर्नल ऑफ ओबेस्ट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया' में पब्लिश स्टडी के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में होने वाले हॉर्मोनल और मेटाबॉलिक बदलाव गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा काफी बढ़ा देते हैं। ऐसे में ये समझना जरूरी है कि आखिर ऐसा क्यों होता है। विषय को बारीकी से समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- डॉ. पंखुड़ी गौतम, सीनियर कंसल्टेंट, आब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, कोकून हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ। सवाल- गॉलब्लैडर का हमारे शरीर में क्या काम है? जवाब- गॉलब्लैडर का मुख्य काम लिवर द्वारा बनाए गए बाइल जूस (पित्त) को जमा करना होता है। यह बाइल जूस खाना पचाने में शरीर की मदद करता है। इसलिए जब हम खाना खाते हैं तो गॉलब्लैडर बाइल जूस रिलीज करता है। यह खासतौर पर फैट को एनर्जी में बदलने में मदद करता है। कुल मिलाकर गॉलब्लैडर पाचन तंत्र का एक छोटा लेकिन अहम हिस्सा है। सवाल- गॉलब्लैडर स्टोन क्यों होता है? जवाब- कुछ कंडीशंस में गॉलब्लैडर में जमा हो रहा बाइल जूस बाहर नहीं निकल पाता, जिसके कारण स्टोन की समस्या हो सकती है। इसके कई कारण हैं- जब बाइल जूस लंबे समय तक गॉलब्लैडर में जमा रहता है, यह पूरी तरह खाली नहीं हो पाता है। जब बाइल जूस का फ्लो बहुत धीमा हो जाता है। जब शरीर जरूरत से ज्यादा कोलेस्ट्रॉल बनाता है, यह गॉलब्लैडर में जमा हो जाता है। इन कंडीशंस में बाइल जूस और कोलेस्ट्रॉल आपस में मिलकर छोटे-छोटे ठोस कण बना लेते हैं, जो आगे चलकर पथरी का रूप ले सकते हैं। सवाल- महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान और बाद में गॉलब्लैडर स्टोन क्यों विकसित होते हैं? जवाब- प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के बाद महिलाओं में गॉलस्टोन की मुख्य वजह हॉर्मोनल बदलाव हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन हॉर्मोन का लेवल बढ़ जाता है। ये हॉर्मोन जरूरी होते हैं, लेकिन पित्त का संतुलन प्रभावित करते हैं। एस्ट्रोजेन पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ा देता है। प्रोजेस्टेरोन गॉलब्लैडर की मसल्स को सॉफ्ट कर देता है। इसके कारण गॉलब्लैडर से पित्त निकलने में मुश्किल होती है। लंबे समय तक गॉलब्लैडर में पित्त जमा रहने से ये कोलेस्ट्रॉल के साथ मिलकर क्रिस्टल बनाने लगता है। ये क्रिस्टल धीरे-धीरे सख्त होकर गॉलस्टोन में बदल जाते हैं। सवाल- महिलाओं में गॉलब्लैडर स्टोन विकसित होने के रिस्क फैक्टर्स क्या हैं? जवाब- कुछ कंडीशंस महिलाओं में गॉलब्लैडर स्टोन का रिस्क बढ़ा सकती हैं। सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर प्रॉब्लम के क्या लक्षण होते हैं? जवाब- कई मामलों में गॉलस्टोन होने पर कोई लक्षण नहीं दिखता है। इसे 'साइलेंट गॉलस्टोन' कहा जाता है। इसके कारण गॉलब्लैडर के कामकाज में बहुत फर्क भी नहीं पड़ता है। लेकिन कुछ मामलों में गॉलब्लैडर में अचानक असहनीय दर्द भी हो सकता है। ये लक्षण अक्सर तीसरी तिमाही या प्रसव के बाद ज्यादा दिखते हैं। ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर स्टोन का इलाज कैसे किया जाता है? जवाब- अगर प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलस्टोन डायग्नोज हुआ है, लेकिन कोई लक्षण नहीं दिख रहा है तो आमतौर पर इलाज की जरूरत नहीं होती है। हालांकि, डॉक्टर इसे लगातार मॉनीटर करते हैं, ताकि भविष्य में कोई लक्षण उभरे तो समय पर इलाज किया जा सके। अगर लक्षण गंभीर हैं या किसी कॉम्पलिकेशन का रिस्क है तो तुरंत इलाज जरूरी होता है। अगर दर्द बहुत ज्यादा है तो 'गॉलब्लैडर रिमूवल सर्जरी' की जरूरत पड़ सकती है। सवाल- प्रेग्नेंसी में गॉलब्लैडर स्टोन होने पर किन बातों का ख्याल रखें? जवाब- प्रेग्नेंसी में गॉलब्लैडर स्टोन होने पर खानपान से लेकर लाइफस्टाइल तक ज्यादा सावधानी रखनी पड़ती है। कुछ छोटे बदलाव करके गॉलब्लैडर स्टोन से जुड़े लक्षणों को कंट्रोल किया जा सकता है। पॉइंटर्स से समझते हैं- ऑयली फूड न खाएं: भारी और ऑयली फूड न खाएं। ज्यादा फैट और तला-भुना खाना गॉलब्लैडर पर दबाव डालता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है।फाइबर से भरपूर डाइट लें: अपनी डाइट में फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज शामिल करें। फाइबर न केवल पाचन को दुरुस्त रखता है, बल्कि स्टोन की समस्या में भी राहत देता है। एक साथ ज्यादा न खाएं: पेट भरकर एक बार में खाने की बजाय, दिन भर में छोटे-छोटे मील लें। इससे पाचन तंत्र पर बोझ नहीं पड़ता और दर्द का खतरा कम हो जाता है। हाइड्रेटेड रहें: शरीर को हमेशा हाइड्रेटेड रखें। पर्याप्त पानी पीने से पित्त (बाइल) पतला रहता है, जिससे गॉलब्लैडर में सूजन और जलन की आशंका कम हो जाती है। स्ट्रेस मैनेज करें: प्रेग्नेंसी में तनाव हॉर्मोनल संतुलन बिगाड़ सकता है, जिसका असर गॉलब्लैडर पर भी पड़ता है। मन शांत रखने के लिए योग, मेडिटेशन करें। सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर स्टोन को कैसे रोका जा सकता है? जवाब- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलस्टोन से बचाव का सबसे अच्छा तरीका हेल्दी लाइफस्टाइल और समय-समय पर हेल्थ चेकअप है। इससे शुरुआती स्टेज में ही स्टोन का पता चल सकता है। अगर स्टोन पहले से है, तो सिर्फ डाइट बदलने से स्टोन खत्म नहीं होते, लेकिन लक्षणों को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।

महिला दिवस विशेष प्रेरणादायक कहानी

'सपनों से पहचान तक - दीक्षा श्रीवास्तव की प्रेरक यात्रा'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। वाराणसी की पवित्र

धरती पर जन्मी दीक्षा श्रीवास्तव सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि आज हजारों महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। एक साधारण परिवार से आने वाली दीक्षा ने यह साबित कर दिया कि अगर हौसले बुलंद हों तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।दीक्षा दो बच्चों की माँ होने के साथ-साथ एक कुशल गृहिणी भी हैं। घर की जिम्मेदारियों को निभाते हुए उन्होंने अपने अंदर छिपे हुनर को पहचाना और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। शुरुआत आसान नहीं थी– समाज की बातें, समय की कमी और कई चुनौतियाँ उनके सामने थीं। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे अपने आत्मविश्वास, मेहनत और लगन के दम पर दीक्षा ने मॉडलिंग जगत में अपनी पहचान बनानी शुरू की। उनकी मेहनत रंग लाई और उन्हें 'काशी नवरत्न अलंकरण अवॉर्ड' तथा 'इंडिया बेस्ट सुपर मॉडल 2025' जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए। यह सिर्फ एक पुरस्कार नहीं था, बल्कि उन सभी महिलाओं के लिए संदेश था कि शादी, परिवार या जिम्मेदारियाँ किसी महिला के सपनों की सीमा नहीं होतीं।दीक्षा की कहानी हमें यह सिखाती है कि महिला की असली ताकत उसके आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय में होती है। जब एक महिला ठान लेती है, तो वह अपने परिवार, समाज और पूरे देश का नाम रोशन कर सकती है।आज महिला दिवस के अवसर पर दीक्षा श्रीवास्तव की यह यात्रा हर महिला को यह संदेश देती है-'सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती, और उन्हें पूरा करने के लिए सिर्फ एक चीज चाहिए–खुद पर विश्वास।' संदेश-हर महिला के अंदर एक अद्भुत शक्ति होती है। बस जरूरत है उसे पहचानने की और आगे बढ़ने की। सभी महिलाओं को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

शिल्पा शिंदे ने 'सेल्फी लो. शाइन करो. स्टार बन जाओ!' पहल में शामिल होकर राजधानी की आम महिलाओं को बनाया खास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। बेहद लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं! 2.0' में

अंगूरी भाबी के किरदार के लिए मशहूर शिल्पा शिंदे ने एण्डटीवी की खास पहल 'सेल्फी लो. शाइन करो. स्टार बन जाओ!' में शामिल होकर राजधानी की आम महिलाओं को खास बनाया। महिला दिवस के अवसर पर एण्डटीवी ने एक खास 'सेल्फी लो. शाइन करो. स्टार बन जाओ!'-के जरिए साधारण सेल्फी को आत्मविश्वास, पहचान और अभिव्यक्ति के जश्न में बदल दिया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को ऐसा मंच देना था, जहां वे अपनी पहचान, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को खुलकर व्यक्त कर सकें। इस अभियान के तहत एक खास एण्डटीवी मिरर इंस्टॉलेशन तैयार किया गया, जिस पर 'वूमेन एंड क्रियेटर', 'वूमेन एंड एचिवर', वूमेन एंड ड्रिमर' और 'वूमेन एंड विलिवर' जैसे प्रेरक संदेश लिखे थे। यहां ली गई हर सेल्फी महिलाओं के आत्मविश्वास और गर्व की झलक बन गई। प्रतिभागियों ने अपनी तस्वीरें एण्डटीवी को टैग करते हुए इस अभियान का हिस्सा बनकर खुद को पहचानने और अपनी आवाज़ को सामने लाने का संदेश दिया। इस मौके पर शिल्पा शिंदे, जिन्हें दर्शक 'भाबीजी घर पर हैं! 2.0' में अंगूरी भाबी के किरदार के लिए बेहद पसंद करते हैं, आज रविवार को लखनऊ के लुलु मॉल में इस अभियान से जुड़ीं। उन्होंने वहां मौजूद महिलाओं से बातचीत की और उनके साथ खास पल साझा किए। कई महिलाओं को उनके साथ सेल्फी लेने और इस खास अनुभव को यादगार बनाने का मौका भी मिला। इस पहल के बारे में शिल्पा शिंदे ने कहा, 'यह देखना बहुत अच्छा लगता है कि एक साधारण सेल्फी भी महिलाओं के लिए अपनी पहचान और आत्मविश्वास व्यक्त करने का माध्यम बन सकती है। एण्डटीवी की यह पहल महिलाओं को खुद पर गर्व करने और अपनी अलग पहचान को खुलकर सामने लाने के लिए प्रेरित करती है। मुझे खुशी है कि मैं ऐसे अभियान का हिस्सा बनी हूं, जो महिलाओं को अपने तरीके से चमकने का अवसर देता है।'

हरियाणा महिला आयोग अध्यक्ष बोलीं- बादशाह होगा अपने घर का,शो नहीं होने देंगे

करनाल। बॉलीवुड सिंगर और रैपर बादशाह के 'टटीरी' गाने में आपत्तिजनक शब्दों और लड़कियों के सीन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। रविवार को कुरुक्षेत्र पहुंची

हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने कहा- 'बेटियों के लिए घटिया शब्द बोलने वाले को बादशाह नहीं रहने देंगे। वो बादशाह होगा अपने घर का। उसके हरियाणा में एक भी प्रोग्राम नहीं होंगे देंगे। 13 मार्च को पानीपत में बादशाह को पेश होने को कहा गया है।' कर्मबीर फौजी ने बताया कि गाना रिलीज होते ही काफी फेमस हो गया। अगर यह फेमस नहीं होता तो शायद इतना विवाद नहीं होता। गाने में हरियाणवी बोल थे, इसलिए पब्लिक भी खुश थी और परिवार को भी खुशी थी कि उनकी बेटी का गाना बॉलीवुड तक पहुंच रहा है। गाने का म्यूजिक भी अच्छा था और सिमरन की आवाज भी लोगों को पसंद आई।कर्मबीर ने कहा कि गाने के रैप हिस्से में कुछ ऐसे शब्द थे, जिनकी वजह से विवाद खड़ा हुआ। वही शब्द गलत थे और लोगों ने उन पर आपत्ति जताई। इसलिए गाने को यूट्यूब से हटा दिया गया। समाज में इस तरह की वर्डिंग स्वीकार नहीं होती और इसलिए लोगों की नाराजगी भी सामने आई। कई ग्रामीणों के मेरे पास फोन आए, लेकिन किसी भी तरह की धमकी नहीं मिली। लोगों ने बस यह कहा कि ऐसे शब्द गानों में नहीं होने चाहिए। कर्मबीर फौजी ने बताया कि गाना रिलीज होने से पहले हमें बादशाह के रैप की लाइनों की जानकारी नहीं थी। हमें लगा था कि रैप भी वैसा ही होगा जैसी गाने की लाइनें हैं। विवाद के बाद उन्होंने बादशाह की टीम से बात की। हमने उन्हें साफ कहा कि इस तरह की वर्डिंग यहां की संस्कृति में स्वीकार नहीं की जाती।गाने में दिखाई गई हरियाणा रोडवेज की बस पर कर्मबीर ने कहा कि उन्हें शूटिंग के बारे में कोई जानकारी नहीं है। परिवार की तरफ से सिर्फ गाना रिकॉर्ड कर भेजा गया था। गाने की डबिंग कैथल में हुई थी, जबकि बाकी गाने की डबिंग मुंबई में हुई होगी। जो जींद के सच्चा खेड़ा गांव के स्कूल को बादशाला लिखा गया है, उसकी भी हमें जानकारी नहीं है। हम लोग वहां नहीं गए। स्कूल को एडिटिंग के जरिए बनाया गया। कर्मबीर फौजी ने कहा कि किसी भी ऐसी चीज से दुख होता है जो संस्कृति को नुकसान पहुंचाए। ऐसे मामलों में खुशी या दुख से ज्यादा समाज की मर्यादा अहम होती है और उसी के हिसाब से चलना पड़ता है। सिमरन जागलान ने एक फोक सॉन्ग गाया था, जबकि बादशाह ने उसे रीमिक्स किया था।

आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा की रिलीज डेट हुई अनाउंस,10 जुलाई को रिलीज होगी स्पाई यूनिवर्क की फिल्म

मुंबई। आलिया भट्ट, शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल स्टारर स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा'

10 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की है। पहले यह फिल्म 2025 में आने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फिल्म 'अल्फा' को लेकर पहले यह चर्चा थी कि इसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स को नेटफ्लिक्स की ओर से 215 करोड़ रुपए की डील का ऑफर मिला था। हालांकि, आदित्य चोपड़ा और उनकी टीम ने इसे ठुकरा दिया।इस फिल्म में पहली बार आलिया भट्ट और शरवरी वाघ लीड रोल में जासूसी करती नजर आएंगी। फिल्म में दोनों का हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेगा। इनके साथ ही अनिल कपूर और बॉबी देओल भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में हैं। हालांकि, मेकर्स ने अब तक उनके किरदारों को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है।फिल्म 'अल्फा' की घोषणा साल 2024 में की गई थी। पहले इसे 17 अप्रैल 2026 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब नई तारीख 10 जुलाई तय की गई है। फिल्म केवल हिंदी में ही नहीं, बल्कि तमिल और तेलुगू भाषा में भी रिलीज होगी। स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म होने के नाते मेकर्स को इससे काफी उम्मीदें हैं। फिल्म 'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल ने किया है और इसे आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस क्लैश की बात करें तो फिलहाल 10 जुलाई के आस-पास किसी बड़ी फिल्म की रिलीज नहीं है। यह सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' (4 जून) के करीब एक महीने बाद रिलीज होगी।

छोटे चॉल में रहे, काम मांगने पर संगीतकार ने फेंकी डायरी,समीर के गाने पर नुसरत फतेह रोए, सबसे ज्यादा सॉन्ग लिखने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

मुंबई। आप चाहें मिलेनियल हों, जेनरेशन ज़ी हों, जेनरेशन अल्फा या नई जेनरेशन बीटा हों...एक चीज जो इन सभी को एक-दूसरे से जोड़ती है, वो समीर अनजान के गाने हैं। तीन दशक से वो अपने गानों के जरिए प्यार, दोस्ती, हार्टब्रेक से लेकर पार्टी मोड तक हर मौके और हर फीलिंग के लिए अल्फाज लिख रहे हैं। उनके सपने बहुत छोटे-छोटे थे, लेकिन कलम की जादूगरी ने उन्हें ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया, जहां से वो पीछे देखते हैं तो खुद पर यकीन नहीं होता। कभी शब्दों का ऐसा जाल बुना कि पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान भी गाते वक्त रो पड़े। एक लाइन के लिए उन्हें 150 टेक लेने पड़े थे। समीर की चाहत कभी रेडियो पर अपना एक गाना सुनने की थी, लेकिन आज उनके नाम चार हजार से अधिक गाने लिखने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। कभी समीर गलियों में अपना गाना बजते सुनना चाहते थे, पिछले तीन दशक से उनके गाने न सिर्फ बज रहे हैं बल्कि अब उनके रीमिक्स भी बन रहे हैं। अपनी सफलता को वह भगवान की नेमत मानते हैं।मैं बनारस से हूं, लेकिन मेरी परवरिश बनारस शहर में नहीं हुई है। मैं बनारस के एक गांव ओदार में पला-बढ़ा हूं। वो गांव तो अब सपनों में ही दिखता है, हकीकत में कुछ वैसा नहीं है। अब गांव जाता हूं तो रोना आता है। गांव की वो चौपाल, कच्चे मकान, महुआ-नीम के पेड़, लोग, संकरी गलियां वो सब नेस्तनाबूद हो गए। गांव का बुरी तरह से शहरीकरण हो गया है। अब मैं सिर्फ इसलिए जाता हूं क्योंकि वो मेरी मातृभूमि है और वहां से मेरी यादें जुड़ी हैं, लेकिन गांव को देखकर बहुत दुख होता है। हम भाग्यशाली थे कि सही मायनों में गांव कहते किसको है, वो हमने जिया था। तालाब, पोखर, बगीचा, आती-पाती क्या होता है, आने वाली पीढ़ी को इन लफ्जों का मतलब भी पता नहीं होगा।खैर, पिताजी की तमन्ना नहीं थी कि मैं कभी गीतकार बनूं। वो कहते थे कुछ भी करना, गीतकार बनने की कोशिश मत करना। इस वजह से उन्होंने मुझे लिटरेचर नहीं पढ़ने दिया और मुझे बीएचयू से एमकॉम कराया। वो मेरे गाने लिखने के बिल्कुल खिलाफ थे। हालांकि मेरे लिखने का शौक अपने चरम पर था। मैं सातवीं क्लास में था, जब मुझे लिखने का शौक जगा। उसी उम्र से मैंने नोट बनाने शुरू कर दिए थे। फिर दोस्तों का एक ग्रुप बन गया, जो शायरी करते थे। फिर हम दोस्तों ने एक छोटा सा रूम लेकर उसमें गोष्ठी शुरू की। यहां से बात ऑर्केस्ट्रा पार्टी तक पहुंची। फिर हमने एक ऑर्केस्ट्रा पार्टी शुरू कर दी, जिसका नाम मनोरंजन ऑर्केस्ट्रा पार्टी था। इसकी

एंकरिंग मैं करता था और शेरो-शायरी सुनता-सुनाता था।उन दिनों बनारस में गुप्ता संगीतालय के नाम से एक मशहूर संगीतालय था। वहां, जाकर मैंने बैंजो बजाना सीख लिया। ऐसे में मुझे थोड़ी बहुत संगीत की भी जानकारी हो गई और मैं मुशायरों में जाने लगा। उत्तर प्रदेश का कोई भी ऐसा जिला नहीं होगा, जहां मैंने मुशायरा न किया हो। ये सब करते-करते मैं रेडियो तक पहुंच गया, लेकिन तब तक मेरे दिमाग में कभी नहीं आया कि मुझे गीतकार बनना है। मैं बस चीजों को एंजॉय कर रहा था। मैं पढ़ाई के साथ ट्यूशन भी पढ़ाता था। मैं पत्रकारिता भी कर रहा था। इन सबके बीच मैंने सेंट्रल बैंक की नौकरी भी जॉइन कर ली और दो दिन के लिए काम पर भी गया। जब मैं दूसरे दिन अपनी कुर्सी पर बैठ रहा था, तब मेरे अंदर से आवाज आई कि ये तुम्हारी जगह नहीं है। तुम गलत फैसला कर रहे हो। दिल की बात सुनो और यहां से निकलो। उस जमाने में बैंक की नौकरी मिलना, इंडियन सिविल सर्विस-पीसीएस से कम बड़ी बात नहीं होती थी। मैंने बैंक की नौकरी छोड़ दी। मेरा पूरा परिवार मेरे ऊपर निर्भर था। मेरे पिताजी मुंबई में स्ट्रगल कर रहे थे। दादाजी की नौकरी छूट गई थी। ऐसे में जब मेरी नौकरी लगी तो सबको लगा कि उन्हें एक सहारा मिल गया है। मैंने जब अपना फैसला घरवालों को सुनाया, तो सब रोने लगे। मुझे कहा गया कि ऐसा मत करो। तुम देख रहे हो कि हम लोग ऐसे ही तकलीफ में हैं। पिता पहले से ही मुंबई में संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में तुम भी हमें छोड़कर चले जाओगे तो हमारा क्या होगा? लेकिन मेरी जिद थी और दिल मानने को तैयार नहीं था और मैं निकल गया।मैं 6 अप्रैल 1980 को मुंबई आया था। वो तारीख मुझे आज भी याद है। जब मैं यहां आया तो भौचक्का रह गया कि ये मैं कहां आ गया। मैं मालवाणी के चॉल नंबर 628 और ब्लॉक चार में रहने लगा। 'चॉल में रहने के दौरान के संघर्षों को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। एक बार तो ऐसा हुआ कि मैं शौच के लिए गया था, तभी एक शराबी दरवाजा तोड़ अंदर घुस आया। उसने मुझे गंदी-गंदी गालियां दी। मैं एक संभ्रात परिवार से आता था, मैं ऐसी सिचुएशन सोच भी नहीं सकता था। उस वक्त मेरी आंखों से आंसू बहने लगे। उस घटना को आज भी याद करके मेरी रूह कांप जाती है।'मैं 23 साल की उम्र में मुंबई आ गया था। उस उम्र तक मैं अपने पिता से सिर्फ दो बार मिला था। वो मुंबई में थे, लेकिन मैं उन्हें बिना बताए आया और अकेले चॉल में रह रहा था। 23 साल की उम्र तक मैं बस दो बार अपने पिता से मिला था। मेरा पालन-पोषण दादाजी ने ही किया था। पिताजी मुंबई में जमने के लिए 17 साल तक संघर्ष करते रहे। जब पिताजी को पता चला कि मैं भी मुंबई में हूं तो उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। ये तीसरी बार था, जब मैं उनसे मिलने वाला था। मैं पिताजी से मिलने किसी उम्मीद में नहीं गया था कि वो मुझे अपने साथ रख लें। मैं गुस्से में था कि आज वो जो भी पूछेंगे, मैं उसका उल्टा जवाब दूंगा। पहले तो मुझे लगा ही नहीं कि वो मेरे पिता हैं। मुझे लगा कि मैं किसी रिश्तेदार से मिलने वाला हूं। जब मैं उनसे मिला तो उन्होंने कहा कि तुम बड़े हो गए हो और अपने जीवन का फैसला करने का तुम्हें अधिकार है, लेकिन पिता होने के नाते में तुमसे कुछ पूछना चाहता हूं। फिर उन्होंने मुझसे पहला सवाल किया कि क्या तुमने कभी किसी लड़की से मोहब्बत की? उनका सवाल सुनकर मैं हैरान रह गया। मैंने हां में जवाब दिया। फिर उन्होंने मुझसे कहा कि क्या सोचकर प्यार किया? मैंने उनसे कहा कि प्यार कोई सोचकर नहीं करता है। जब करना होता है तो कर लेता है। उन्होंने कहा- अब पूछो, यह सवाल मैंने तुमसे क्यों किया? मैंने कहा- बताइए। तब उन्होंने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि तुम बावफा आशिक हो या बेवफा आशिक हो। क्योंकि यह इंडस्ट्री महबूबा की तरह है। अगर इससे सच्ची मोहब्बत हो तभी रहना, वरना भाग जाना।उन्होंने दूसरा सवाल पूछा कि तुम यहां क्या सोचकर आए हो। इंडस्ट्री जन्नत की तरह है। यहां सब हूरें मिलेगी, पैसा मिलेगा, शोहरत मिलेगी। मैंने कहा- हां फिर, उन्होंने कहा- जन्नत में कुछ पाने के लिए आदमी को मरना पड़ता है। क्या तुम मरने के लिए तैयार हो? मुझे लगा पापा ने बात तो बहुत बड़ी कर दी, लेकिन मैं उन्हें दो टूक जवाब देने के मूड से आया था। मैंने इस सवाल पर भी फट से हां कह दिया। फिर पापा ने मुझसे कहा कि चलो अपना बोरिया-बिस्तर उठाओ और घर चलो, लेकिन अगले छह महीने तुम कुछ भी नहीं लिखोगे। अब मैं बताऊंगा कि इस इंडस्ट्री की रवायत और भाषा क्या है।मैं तुम्हें हर म्यूजिक डायरेक्टर के साथ होने वाली मीटिंग में ले जाऊंगा, लेकिन मैं कहीं तुम्हारा परिचय नहीं कराऊंगा। तुम वहां बैठना और चीजों को समझने की कोशिश करना। गाना लिखने के लिए जो सिचुएशन मुझे दी जाएगी, उस पर मैं भी लिखूंगा और तुम भी लिखोगे। मैं हम दोनों का लिखा मुखड़ा आगे सुनाऊंगा, जिस दिन तुम्हारा लिखा पास हो जाएगा, मैं तुम्हें आजाद छोड़ दूंगा। उसके बाद तुम जा सकते हो।एक साल बाद मेरा एक गाना आया। फिल्म का नाम 'बिंदिया चमकेगी' था और उसमें रेखा जी थीं। यहां से मेरे जीवन में संघर्ष की शुरुआत हुई। मैं सुबह निकलता और रात में थका-हारा घर पहुंचता था। पिताजी मेरा संघर्ष देख रहे थे। मुझसे पूछते थे कि कहां-कहां गए, क्या लिखा। मेरा संघर्ष देखकर उन्होंने जीवन में एक बार ही मेरे लिए लक्ष्मीकांत जी बात की। तब उन्होंने पिताजी से कहा कि आज तो आपने कह दिया, दोबारा किसी से ये बात मत कहिएगा। एक बात याद रखिएगा कि बाप की दुकान बाप की होती है। आपने कहा है तो मैं बस इतना कर सकता हूं कि मैं इसे सुनूंगा। ये जब भी मेरे पास आएगा, मैं इसका लिखा पढूंगा। जिस दिन ये मेरे मन मुताबिक अपना मुखड़ा लिखेगा, उस दिन मैं आपको कॉल करूंगा कि आइए, अब आपके बेटे का गाना रिकॉर्ड कर रहा हूं। मुझे लक्ष्मीकांत जी से एक गाना पास कराने में चार साल लग गए। मैं हर दूसरे दिन उनके पास जाता और अपना लिखा सुनाता। वो मुझे हर बार कहते कि अभी वो बात नहीं है। चार साल बाद एक दिन ऐसा आया कि मैंने उन्हें अपना लिखा सुनाया और वो उन्हें पसंद आ गया। फिर उन्होंने वो गाना बनाया और पिताजी को कॉल कर कहा कि आइए आपके बेटे का गाना रिकॉर्ड करने वाला हूं। वो गाना गोविंदा की फिल्म 'लव 86' का था। इस तरह लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के यहां मेरी एंट्री हुई।एक म्यूजिक डायरेक्टर थे, जो मेरे पिताजी के एक अच्छे-खासे दोस्त थे। मैं उनके पास जब ऐसे जाता था तो बहुत इज्जत से मिलते थे। चाय पिलाते और हालचाल लेते। उस दिन उन्होंने सामने से बोला कि मैंने सुना है कि तुम कुछ लिखते हो। कभी सुनाया नहीं तो कुछ सुनाओ। मैंने उन्हें एक घंटे तक अपनी कविता सुनाई और वो गौर से सुनते रहे। अचानक वो इतना खफा हुए कि मेरी डायरी तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दी। फिर बहुत गुस्से में आकर बोले कि क्यों अपने पिताजी का नाम खराब कर रहे हो? इतने बड़े पिता का नाम तुम्हारी वजह से खराब हो जाएगा। मैं एक काम करता हूं, मैं तुम्हें टिकट के पैसे देता हूं। तुम अपने पिता को बताना भी मत और इस शहर से चले जाओ। तुम बैंक में नौकरी कर रहे थे, यहां आने की जरूरत क्या थी?मैं उन्हें कुछ बोल भी नहीं सकता था। मैं कांपते पैरों से चुपचाप उठा, अपनी डायरी उठाई और उसे माथे से लगाया। मैंने 222 नंबर की बस पकड़ी और सीधे उषा खन्ना जी के पास चला गया। ऐसे तो वो अक्सर लोगों से घिरी रहती थीं। सौभाग्य से उस दिन वो अकेली थीं। मैंने उनसे कहा कि आंटी मैंने कुछ गाने लिखे हैं, आपको सुनाऊं? उन्होंने हामी भर दी।

मैंने सिर्फ पांच मुखड़े सुनाए और उषा जी ने कहा कि अब बस कर। ये पांचों गाने मुझे दे दे। मैं अगले हफ्ते इन्हें रिकॉर्ड करूंगी। जगह कौन सी होगी, वो मैं तुम्हें कॉल करके बताऊंगी। फिल्म 'बेखबर' के लिए मेरा गाना रिकॉर्ड हुआ।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।